UniGreet.com
११ एप्रिल
सत्यशोधक, क्रांतीसूर्य
महात्मा
जोतिराव फुले
जयंतीनिमित्त विनम्र अभिवादन!

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 235/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 11 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

#SafeM
Life
comes with a
Mother

स्व सहायता समूहों का सम्मेलन, मुख्यमंत्री ने किया संवाद

आजीविका मिशन ने बदल दी महिलाओं की जिंदगी

भोपाल। जो दीदियां साइकिल चलाना नहीं जानती थीं, आज स्कूटी से चल रही हैं। जिन्होंने ट्रेन में यात्रा नहीं की थी, वो हवाई जहाज से चल रही हैं। जिन्होंने मोबाइल नहीं देखा था, वो मोबाइल पर आजीविका मिशन की गतिविधियां चला रही हैं। यह एक झलक है, उस संवाद की, जो आज आजीविका मिशन से जुड़े स्व सहायता समूहों की महिला प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया।

मुख्यमंत्री ने आज सीएम निवास में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ किया। यहां मंच पर महिला पंचायत प्रतिनिधियों तथा आजीविका मिशन से जुड़े स्व सहायता समूहों की महिला प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि उन्हें स्व सहायता समूहों से जुड़कर कैसा लगा? उनके व ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के जीवन में क्या बदलाव आया? इस पर महिलाओं ने खुलकर अपने विचार रखे। शिवपुरी से आई एक प्रतिनिधि ने कहा कि उनके समूह में तीन हजार से अधिक महिलाएं जुड़ चुकी हैं। कुछ महिलाओं का लखपति समूह भी हो गया है। ये महिलाएं लखपति हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने पूछा- लाडली बहना योजना के बारे में उन्हें कोई जानकारी है? इस पर सीमा दीदी ने कहा कि हमें पूरी जानकारी है। हमारे समूहों से जुड़ी महिलाएं अन्य महिलाओं को न केवल इस योजना का लाभ लेने के लिए जागृत कर रही हैं। अपितु आवेदन भरने में उनकी मदद भी कर रही हैं।

मध्यप्रदेश में चलेगा मोटा अनाज मिशन

शिवराज कैबिनेट में फैसला, मोटे अनाज के बीज पर मिलेगा 80 प्रतिशत अनुदान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ मंत्रालय में बैठक की। शिवराज कैबिनेट की इस बैठक में राज्य मिलेट मिशन के प्रस्ताव को स्वीकार करने समेत कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य मिलेट मिशन के तहत किसानों को मोटा अनाज के उत्पादन के लिए 80 प्रतिशत के अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

केबिनेट में निर्णय लिया गया कि ट्रांसजेंडर को ओबीसी की सूची में शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। वहीं, प्रदेश से निर्यात हुए गेहूं को मंडी शुल्क की प्रतिपूर्ति व्यापारियों को करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके लिए नियमों में संशोधन किया गया है।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यक्रम में होने वाले भोज में मोटे अनाज से बने व्यंजन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। मिड डे मील और छात्रावासों में भी मोटे अनाज का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई निवेश संवर्धन समिति की बैठक में बीना रिफाइनरी में भारत पेट्रोलियम लिमिटेड द्वारा 50000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इसमें कंपनी अपनी गतिविधियों को विस्तार देगी। इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर दो लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इस निवेश के एवज में राज्य सरकार ने कंपनी को 15 साल तक सीजीएसटी में छूट देने का निर्णय लिया है।साथ ही 500 करोड़ रुपये का इंटरेस्ट फ्री लोन भी उपलब्ध कराया जाएगा। बिजली की दर में 1 रुपये प्रति यूनिट की छूट भी सरकार कंपनी को देगी।

जबरदस्ती चुप कराना मुश्किलों का हल नहीं: सोनिया

धार्मिक त्योहार दूसरों को धमकाने का मौका बन गए, पीएम हिंसा को नजरंदाज करते रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्लियामेंट्री कमेटी की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को क्क्रूमोदी और उनकी सरकार को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। क्क्रूमोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं। उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है। बड़े मुद्दों पर जो भी जायज सवाल पूछा जाता है, प्रधानमंत्री उस पर चुप्पी साध लेते हैं। सोनिया ने द हिंदू में लिखे आर्टिकल में सरकार पर संसद में विपक्ष की आवाज दबाने, एजेंसियों के दुरुपयोग, मीडिया की आजादी खत्म करने, देश में नफरत और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया है।

प्रधानमंत्री की कथनी-करनी में फर्क

सोनिया ने कहा कि भारत के लोग अब यह जान चुके हैं कि मौजूदा हालात में क्क्रूमोदी की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। जब वे विपक्ष के खिलाफ गुस्सा जाहिर नहीं कर रहे होते हैं या आज की परेशानियों के लिए बीते जमाने के नेताओं पर आरोप नहीं लगा रहे होते हैं, तो उनके सभी बयानों से जरूरी मुद्दे या तो गायब होते हैं, या वे बड़ी-बड़ी, लुभावनी बातें करके इन मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, उनके एक्शन से साफ पता चलता है कि इस सरकार की असली मंशा क्या है।

सोनिया गांधी ने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। क्क्रूमोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं, उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है, इन्हें लेकर हमारे जो जायज सवाल हैं, उन पर वे चुप हैं। किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने के अपने वादे को पूरा करने में नाकाम होने के बाद पीएम बड़े आराम से चुप हो गए हैं। लेकिन बढ़ते खर्च और फसल की घटती कीमत वाली उनकी समस्या आज बनी हुई है।

सांध्यप्रकाश विशेष

दुनिया की कोई भी ताकत मां के प्यार का मुकाबला नहीं कर सकती

मां अपने बच्चे को सबसे ज्यादा प्यार करती है फिर चाहे वह इंसान की मां हो या किसी जीव-जन्तु की। अपने बच्चे को मुसीबत में देखकर वह अपनी जान कुर्बान करने को भी तैयार रहती है।

इसी क्रम में एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में एक कठफोड़वा अपने बच्चों की जान बचाने के लिए खूंखार सांप से भिड़ती नजर आ रही है। आप देख सकते हैं कि इस दौरान उसकी दो बार जान जाते-जाते बचती है।

अपनी जान की परवाह किए बिना कठफोड़वा सांप से भिड़ जाती है और अपने बच्चों को बचाने की कोशिश करती है। वीडियो को भारतीय वन सेवा अधिकारी सुसांत नंदा ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर कुछ समय पहले शेयर किया था। वीडियो देखकर आपके होश उड़ जाएंगे। आप देख सकते हैं कि कठफोड़वा जब दाना लेकर अपने बच्चों के पास पहुंचती है तो वहां पहले से ही एक सांप मौजूद होता है। वह कठफोड़वा के बिल में घुसा होता है और उसके बच्चों को अपना निवाला बनाने की कोशिश करता है।

रोहन ने कमेंट्री में ऐसा क्या बोल दिया कि लोग भड़के

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में पांच छक्के जड़कर केकेआर टीम को जिताने वाले रिंकू सिंह इन दिनों ख़बरों में है। उन्होंने अपनी टीम को ऐसी जीत दिलाई, जिसकी कल्पना नहीं की जा रही थी। उन्होंने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज यश दयाल के ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए। इस दौरान मैच में कमेंट्री कर रहे सुनील गावस्कर के क्रिकेट में फ्लॉप बेटे रोहन गावस्कर ने कुछ ऐसा बोल दिया कि रिंकू के फैंस ने उनकी परेड। सोशल मीडिया पर वे जमकर ट्रोल हुए।

जब मैच चल रहा था उस दौरान रोहन ने अपनी कमेंट्री के दौरान यश दयाल को लेकर अजीब सा बयान दिया। रोहन ने कहा 'इसलिए मैं कहता हूं कि यह गेंदबाजों का खेल है। यश दयाल ने बहुत ही खराब गेंदबाजी की, लेकिन हम यहां किसकी बात कर रहे हैं रिंकू सिंह की। हम कल यही बात कर रहे थे कि अगर कोई बल्लेबाजी एक गेंद में एक रन बनाता है या फिर उसका स्ट्राइक रेट कम रहता है तो हम उसकी आलोचना करते हैं। वहीं एक गेंदबाज अगर रन देता है आप कहते हैं यह रिंकू सिंह का कमाल है। लेकिन, हम यहां यह भी कह सकते हैं कि गेंदबाज ने कितना खराब खेल दिखाया जिसके कारण उसे छक्के पड़े हैं।'

रोहन गावस्कर के इस बयान के बाद उनकी खूब आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर यूजर का मानना है कि रोहन ने रिंकू सिंह की बल्लेबाजी की तारीफ में दो शब्द भी नहीं कहे। लोगों का मानना है कि रोहन अपनी कमेंट्री के दौरान रिंकू सिंह पर ध्यान हटाकर यश दयाल पर फोकस करना चाहते थे।

कमेंट्री से हटाने तक की मांग उठी - कुछ क्रिकेट प्रेमियों ने उन्हें आईपीएल में कमेंट्री से हटाने की भी मांग उठाई। उनका मानना है कि आईपीएल पूरी दुनिया में देखा जाने वाला लीग है और अंग्रेजी कमेंट्री भी पूरी दुनिया में सुनी जाती है। ऐसे में रोहन गावस्कर जिस तरह का बयान दिया वह पूरी तरह से गलत है उन्हें कमेंट्री नहीं करना चाहिए। केकेआर ने मैच को 3 विकेट से अपने नाम कर लिया। लेकिन, रोहन गावस्कर ने फैंस को नाराज कर दिया, जिससे उनकी जमकर जग हंसाई हुई।

कंगना ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की

कंगना रनौत अक्सर किसी ना किसी मुद्दे को लेकर सुर्ख़ियों में रहती हैं,इस बार अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। उनके फ़िल्मी फैंस का मानना हैं की कंगना जल्द ही शादी करने वाली हैं। लेकिन सवाल उठता हैं की आखिर ऐसी खबरें आई कहाँ से?

दरअसल कंगना ने कल अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। हालाँकि पोस्ट में फोटो से ज्यादा चर्चा इस फोटो के साथ लिखा गया कैप्शन हैं। कंगना ने शायराना अंदाज में लिखा हैं की 'इश्क वो आतिश हैं ग़ालिब लगने से लगती नहीं और बुझाने से बुझती नहीं'। बस फिर क्या था? इंटरनेट पर तेजी से यह चर्चा वायरल होने लगी की कंगना अब अकेले नहीं रहने वाली हैं यानी वह शादी कर रही हैं। कंगना के इस पोस्ट पर उनके फैंस ने भी मजे लिए। एक यूजर ने पूछा की 'कौन हैं वो जो आपके सपनो में आया था?' वही एक यूजर ने लिखा की 'लगता हैं आपको प्यार हो गया हैं'। वही कुछ लोगो ने कंगना को चिढ़ाने के लिए सूरज पंचोली को भी अपनेकमेण्ट पर मेंशन किया।

बीना विधानसभा - 35
बीना जिला-सागर (म.प्र.)
ब्लॉक, मण्डलम
सेक्टर एवं बी.एल.ए. बैठक
ब्लॉक एवं शहर काँग्रेस बीना

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सागर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बीना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मंडलम सेक्टर अध्यक्षों की बैठक में शामिल हुए।

सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु सरकार को झटका

आरएसएस की रैलियों के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार द्वारा मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। तमिलनाडु सरकार ने अपनी अपील में दावा किया था कि हाल की अफवाहों से राज्य में हिंदी भाषी श्रमिकों में दहशत फैल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को तमिलनाडु राज्य में अपनी रैलियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार करने की अनुमति दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक अपील को खारिज करते हुए आदेश दिया, जिसने आरएसएस को पुनर्निर्धारित तारीखों पर तमिलनाडु में अपना रूट मार्च करने की अनुमति दी थी।

धार में सड़क से गेहूं समेट रहे लोगों को आयशर ने रौंदा, बाप-बेटे सहित 4 की मौत

धार। धार में सोमवार रात सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। भेरूचौकी गांव में उंडेली फाटा पर आयशर चालक ने सड़क पर गेहूं समेट रहे लोगों को कुचल दिया। सरदारपुर पुलिस रात में ही शवों को हॉस्पिटल ले गई। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिए जाएंगे।

इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन मार्ग पर सोमवार रात करीब 12.15 बजे धार निवासी मुन्ना लाल लौधा (47) गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर राजगढ़ की ओर जा रहा था। ट्रॉली से गेहूं सड़क पर गिरने लगे तो मुन्नालाल ने ट्रैक्टर सड़क किनारे खड़ा कर बेटे नवदीप को फोन कर बताया। नवदीप कुछ मजदूरों को लेकर पहुंचा और सभी सड़क से गेहूं समेटने लगे, तभी तेज रफ्तार आयशर ने मुन्नालाल लौधा, नवदीप चौहान (29), लवकुश (28) और अर्जुन सिंह (26) को अपनी चपेट में ले लिया। सरदारपुर एसडीओपी रामसिंह मेड़ा ने बताया कि आयशर चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

राष्ट्रीय पार्टी बनना बहुत बड़ी जिम्मेदारी: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल चुका है। चुनाव आयोग द्वारा सोमवार को किए गए एलान के बाद से आम आदमी पार्टी बेहद उत्साहित है और उसके कार्यकर्ता लगातार जश्न मना रहे हैं। इस बीच पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं और देश की जनता का शुक्रिया अदा किया और कहा कि राष्ट्रीय पार्टी बनना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारी पार्टी ने देश को नई दिशा दी है। केजरीवाल ने अपने आलोचकों को भी तहेदिल से बधाई दी है।

उन्होंने कहा जब हमने शुरू किया था तब पैसे नहीं थे लोग नहीं थे, अब भी पैसे नहीं थे लेकिन आदमी बहुत हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज सोचता हूं तो लगता है कि हमारी कोई औकात नहीं लेकिन हम कहां से कहां पहुंचे, इसका मतलब भगवान हमसे देश के लिए कुछ कराना चाहता है। हम तो निमित्त मात्र हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज इस मौके पर मनीष और जैन जी की बहुत याद आ रही है। वो होते तो इस मौके पर चार चांद लग जाते।

पायलट का अपनी सरकार के खिलाफ अनशन

पोस्टर्स से राहुल-सोनिया गायब, सिर्फ गांधी की फोटो

के
विरुद्ध
"अनशन"
मंगलवार 11 अप्रैल, 202
शहीद स्मारक

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अनशन शुरू करने से पहले ही बड़े पॉलिटिकल संकेत मिलने लगे हैं। जयपुर के शहीद स्मारक पर आज सुबह 11 बजे से सचिन पायलट मौन धारण कर धरने पर बैठ गए हैं। धरनास्थल पर लगे पोस्टरों ने सियासी हलचल मचा दी है, क्योंकि यहां लगे पोस्टरों में राहुल-सोनिया से लेकर किसी भी कांग्रेसी नेता के फोटो नहीं है। केवल महात्मा गांधी की फोटो लगाई गई है। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पायलट से बातचीत करने के लिए आज दोपहर बाद जयपुर पहुंचने वाले थे, उनका यह दौरा अचानक कैंसिल हो गया है। अब वह बुधवार को जयपुर आ सकते हैं।

पायलट ने अनशन में समर्थक मंत्रियों और विधायकों की जगह आम समर्थकों को साथ रखा है। वहीं, प्रदेश प्रभारी रंधावा ने सोमवार देर रात बयान जारी कर पायलट के इस कदम को पार्टी विरोधी बताया था।

पायलट के अनशन में शामिल होने के लिए प्रदेश भर से उनके समर्थक जयपुर पहुंचे हैं। इससे पहले पायलट समर्थक नेताओं और विधायकों ने चुनिंदा समर्थकों को जयपुर पहुंचने का मैसेज दे दिया था। कांग्रेस राज में अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन का हाल के दो दशक में यह पहला मौका है।

संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत ने पाक को घेरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को पाकिस्तान पर बिना नाम लिए जमकर हमला बोला। यूएन में अवैध हथियारों और सैन्य उपकरणों के लेनदेन की रोकथाम को लेकर जारी बहस में उन्होंने सीधे तौर पर पाकिस्तान को घेर लिया। कंबोज ने कहा कि भारत बॉर्डर पार से ड्रोन्स के जरिए हथियारों की अवैध सप्लाई की चुनौती का सामना कर रहा है।

यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ देश, जो अवैध हथियारों के अप्रसार की साथ लिए हुए हैं और आतंकवादियों के साथ गठबंधन किए हैं, उन्हें इन गलत हरकतों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। कंबोज ने कहा कि हथियारों और सैन्य उपकरणों का अवैध तौर पर निर्यात अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है, जिससे भू-राजनीतिक तनाव भी पनप सकता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मोगिया आदिवासी समाज ने राजधानी में दिया धरना

भोपाल। मध्य प्रदेश मोगिया आदिवासी समाज द्वारा आज राजधानी के नीलम पार्क में एक विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। मध्यप्रदेश मोगी आदिवासी समाज के अध्यक्ष कैलाश मोगिया ने बताया कि वर्षों से उनके द्वारा मोगिया आदिवासी समाज को मध्य प्रदेश के सभी जिलों में आदिवासी समाज का दर्जा दिए जाने की मांग की थी जाती रही है लेकिन शासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है इसके लिए आंदोलनरत है कैलाश मोगिया ने बताया कि मध्य प्रदेश के कई जिलों में अभी भी मोगी आदिवासी समाज को अनुसूचित जाति में गिना जाता है जिससे उन्हें शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है।

ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

सड़क सुरक्षा अभियान-2023
BLOOD DONATION CAMP
NATIONAL HEALTH MISSION

भोपाल। सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी एवं यातायात पुलिस रायसेन के द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान 2023 के छठवें दिन सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी मेंबर द्वारा बड़ी संख्या में रक्तदान किया गया। सैम समूह के चेयरमैन डॉ हरप्रीत सिंह सलूजा ने बताया कि यातायात पुलिस रायसेन के संयुक्त तत्वधान में किया जा रहा यह सड़क सुरक्षा अभियान बहुत सफल हो रहा है तथा इस आयोजन के द्वारा रायसेन, मंडीदीप, अब्दुल्लागंज, गैरतगंज, बेगमगंज इत्यादि स्थानों पर ब्लड डोनेशन कैंप, नुक्कड़ नाटक जैसे कई कार्यक्रम किये जा रहे है। यातायात टीआई रायसेन दिनेश मस्कोले ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य यातायात के नियमों का पालन कराना और उसकी जानकारी प्रदान करना है। आज के ब्लड डोनेशन कैंप में सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के साथ-साथ सेंट्रल कैंपस एवं सैम गर्ल्स कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

`भागवत कथा का आयोजन

भोपाल। हनुमान मंदिर सेवा समिति चक्की चौराहा सेकंड स्टॉप पर साधक श्री भागवत कथा का आयोजन 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक किया जा रहा है भागवत आचार्य द्वारका पुरोहित के मुखारविंद से इस कथा का वाचन किया जा रहा है भागवत आचार्य ने बताया कि समाज में अच्छे संस्कार लोगों को मिले इसी निमित्त इस कथा का आयोजन किया जा रहा है हनुमान मंदिर सेवा समिति के यशपाल तोमर ने बताया कि इस कथा का आयोजन क्षेत्र के समस्त रहवासियों के सहयोग से किया जा रहा है हनुमान हनुमान मंदिर सेवा समिति के सदस्य सुरेश जोशी ,मुखी ,मोहित तोमर एवं गढ़वाली समाज के द्वारा सभी भक्तजनों से इस कथा में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है।

साधु वासवानी स्कूल में उत्साह के साथ मनाया सिंधी दिवस

सिंधी संस्कृति हमारे समाज की शान है व सिंधी भाषा हमारी पहचान है : विष्णु गेहानी

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में बड़े उत्साह के साथ सिंधी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। विद्यार्थियों ने कविता सिंधी आहियूँ सिंधी आहियूँ प्रस्तुत की एवं सिंधी गीत हा मां सिंधी आहिया प्रस्तुत किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि अपनी भाषा संस्कृति को जिंदा रखने हेतु सिंधी बेली का उच्चारण करें अपनी भाषा का सम्मान करें अगर हम अपनी भाषा का सम्मान करेंगें तो हमारी भाषा लुप्त नहीं होगी आज सिंधियत के प्रति काफी जागरुकता आई हैं कई जगहों पर सिंधी मेले आयोजित किये जा रहे हैं जिससे हमारी भाषा हमेशा जिंदा रहेंगी आज के दिन संकल्प लें कि हम सिंधी हैं और अपनी सिंधी भाषा को बढ़ाने का यथासंभव प्रयास करेंगें और घरों में भी सिंधी भाषा का उच्चारण करेंगें। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबुमल रीझवानी ने कहा कि आज के दिन ही सिंधी भाषा को मान्यता दी गई थी। अपनी मातृभाषा को बोलने में हमें शर्म नहीं वरन् गर्व महसूस होना चाहिए। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि हमें सिंधी भाषा के विकास के लिए कड़े कदम उठाने होगें। इसके लिए हमें अपने घरों से ही शुरूआत करनी होगी और यह संकल्प लेना होगा कि हम सदैव सिंधी भाषा का ही उच्चारण करेंगे।

चंद्रमादास त्यागी महाराज की पुण्यतिथि पर सुंदरकांड पाठ कर भजन किए प्रस्तुत

भोपाल। श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल के पूर्व मंहत साकेतवासी1008 श्री चंद्रमादास त्यागी जी महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि पर गुफ़ा परिसर स्थित उनकी समाधि पर वर्तमान महंत श्री रामप्रवेश दास जी के सानिध्य में भोपाल षडदर्शन मंडल के संतो एवं शिष्यों सहित पूजन किया तथा वैदिक ब्राह्मणौं, रामानन्द संस्कृत विद्यालय के छात्रों, भक्तों ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ कर भजन प्रस्तुत किए। पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कार्यक्रम में उज्जैन से श्री महन्त काशीदास, परमेश्वरदास, विधायक रामेश्वर शर्मा, बैरसिया विधायक विष्णु खत्री, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व विधायक रमेश शर्मा गुड्डू भैया, पूर्व विधायक जोधाराम गुर्जर, आलोक शर्मा, भरत पटेल , कैलास मिश्रा, पत्रकार हाकम सिंह गुर्जर, गिरीश शर्मा, पार्षद देवेन्द्र भार्गव ,रविन्द्र साहू झूमरवाला समाजसेवी रवि गगरानी, महेन्द्र निगम , केप्टन वी के मिश्रा , सुनील अग्रवाल, सोनू शर्मा, विनोद साहू, अशोक साहू, दीपेश यादव, प्रणव शर्मा आदी ने पुष्पांजलि अर्पित की ।

खाने में कीड़ा मिलने पर फूड लाइसेंस किया निलंबित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिले में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में मिलावट से मुक्ति अभियान निरंतर जारी है । अभियान अंतर्गत मिलावटी ओर असुरक्षित खाद्य सामग्री विक्रय करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है,। सोमवार 10 अप्रैल 2023 को एमपी नगर में डीबी मॉल स्थित रेस्टोरेंट अलाकृटि के खाने में केचुआ पाए जाने पर तत्काल रूप से फूड लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने मौके पर वीडियो बनाकर शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग को की थी । शिकायत का संज्ञान लेते हुए अभिहित अधिकारी देवेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा निरीक्षण के निर्देश दिए गए थे, निरीक्षण के दौरान खाद्य अनुज्ञप्ति की शर्तों की व्यापक अवहेलना पाये जाने पर संबंधित रेस्टोरेंट का फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया। वही 10 नंबर स्टॉप पर बिना पैकिंग डेट ओर लेबल के कॉफी परोसने वाले रेस्टोरेंट के संचालक के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है । विक्रय हेतु उपलब्ध मिल्क शेक और कॉफ़ी के सैंपल जप्त किये गए

जैन समाज की महिलाओं के ग्रुप ने चाइल्डहुड थीम पर बचपन को याद किया

भोपाल । न्यू जैन ग्रुप की महिलाओं द्वारा अपने* बचपन की यादें साजा की एयरपोर्ट रोड स्थित गार्डन में चौक जैन समाज की महिलाओं के ग्रुप द्वारा चाइल्डहुड थीम पर अपने बचपन को याद किया और बचपन म की गई एक्टिविटी को पूरे मन के साथ जिया समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया महिलाओं के समूह ने लंगडी घोड़ा बदाम छाई खो खो आदि गेम खेलें और खिलौनों का आदान प्रदान किया और खिलौनों से खेला बचपन की वेशभूषा के साथ अंगूठा पीना एक दूसरे के खिलौने ले लेना आदि गतिविधियों के साथ दिल से बचपन को अपने-अपने अंदाज दोराहया किटी ग्रुप चौक की श्वेता जैन प्रियंका जैन ने कहा शादी हो जाने के बाद परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी को निभाते हुए धीरे-धीरे बचपना खो जाता है इसलिए हम सभी ने निश्चय कर पूरे दिन बचपन को पूरे मन के साथ जिया और अपनी यादें सजोई इस एंजॉय के मूवमेंट पर ग्रुप की श्वेता जैन प्रियंका नीलू कविता सोना शिफाली मंजू

सयाजी ने झीलों के शहर भोपाल में अपनी दूसरी संपत्ति एफोटेल की घोषणा की

GRAND OPENING

भोपाल। सयाजी होटल्स को देश के सबसे हरे-भरे और साफ-सुथरे शहरों में से एक, भोपाल में एफोटेल बाय सयाजी के लॉन्च पर गर्व है। भोपाल-होशंगाबाद रोड स्थित, यह होटल सयाजी की शानदार उपलब्धि के साथ ही, मध्य प्रदेश में 6वां और देश में 22वां है और भोपाल के बाजार के लिए एक शानदार प्रोडक्ट है। एफोटेल में मेहमानों के लिए को 63 सुव्यवस्थित कमरे, 2700 वर्ग फुट और 1900 वर्ग फुट के विशाल कॉन्फ्रेंस हॉल, और बुफे रेस्तरां और अन्य सुविधाओं के साथ पूरी तरह सुसज्जित बिजनेस बोर्ड रूम शामिल है, जहाँ मेहमान शानदार अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। लॉन्च के मौके पर, सयाजी ग्रुप ऑफ होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रऊफ धनानी ने कहा कि भोपाल में और शहर के आसपास के क्षेत्र में, कई बड़े और मध्यम उद्योग होने के कारण साथ व्यापार की बड़ी संभावनाएं हैं। हमारी सोच मध्य प्रदेश में अपने मौजूदा पोर्टफोलियो में अभी और होटल शामिल करने की है, जो बिजनेस और छुट्टियां बिताने के लिए आने वाले यात्रियों की जरूरतों को पूरा करेगा। सयाजी होटल्स भारत का प्रमुख अपस्केल लाइफस्टाइल हॉस्पिटैलिटी ब्रांड है, जो अपने बेस्पोक अनुभवों, सिग्नेचर हॉस्पिटैलिटी और 4-स्टार और 5-स्टार होटलों की श्रेणी में संपन्नता के नए मानकों के लिए प्रसिद्ध है। सयाजी होटल्स की प्रत्येक संपत्ति में शानदार कमरे उपलब्ध हैं, जहां दावत और भोजन एवं पेय सुविधाएं मौजूद हैं।

विद्यासागर महाराज के शिष्यों के सानिध्य में निकली भव्य शोभायात्रा

भोपाल । अहिंसा विहार जैन मंदिर अयोध्या बायपास मैं पांच दिवसीय श्री समवशरण महा मंडल विधान का समापन हुआ 24 तीर्थंकर भगवान का अभिषेक जगत कल्याण की भावना के साथ मन्त्रोंचरित शांति धारा हुई विशेष पूजा अर्चना के साथ अनुष्ठान हुए प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया मुनि संघ के सानिध्य में पाठ शाला निर्माण का शिलान्यास हुआ आचार्य श्री विद्यासागर महा राज के शिष्य मुनि श्री अजीत सागर महाराज एलक दयासागर महाराज एलक विवेकानंद सागर महाराज के सानिध्य में गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली शोभायात्रा में केसरिया ध्वज लहराते हुए विश्व शांति और बंधुत्व का संदेश दे रही थी अहिंसा विहार पाठशाला परिवार का दिव्या घोष जय जय गुरुदेव के जयकारों के साथ जय जिनेंद्र देव की जय अरिहंत देव की संगीतमय स्वर लहरिया के साथ प्रस्तुति दे रहा था अहिंसा विहार महिला मंडल बालिका मंडल की सदस्य केसरिया केसरिया आज हमारो रंग भयों केसरिया ,,,,रंगमा रंगमा रंग गयो रे प्रभु जिनेंद्र की भक्ति में रंग गयो रे,,,,,, संगीत में स्वर लहरियों के साथ भक्ति नृत्य कर रही थी विभिन्न मार्गो से होती हुई शोभा यात्रा अहिंसा विहार जैन मंदिर परिसर पहुंची मुनि श्री अजित सागर महाराज ने आशीर्वचन में ने कहा मन और इंद्रियों के पूर्ण विराम पर ही जागती है अंदर की चेतना तन को नहीं चैतन्य को सम्हाले मुनि श्री ने कहा धार्मिक अनुष्ठान का भी प्रयोजन होना चाहिए अनुष्ठान करने से पहले मन को सहज और सरल कर परहित के कल्याण का संकल्प लेना चाहिए इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा प्रमोद हिमांशु मनोज आरएम प्रमोद चंदेरी अक्षय जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे

विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में आई संत हिरदाराम मैनेजमेंट कॉलेज की छात्राओं ने रचा इतिहास

निकिता विधानी
एम.बी.ए. 2022
मेरिट लिस्ट में
चौथा स्थान

दामिनी ठाकुर
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2021
मेरिट लिस्ट में
प्रथम स्थान

शालू वरलानी
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2021
मेरिट लिस्ट में
द्वितीय स्थान

सेहर खान
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2021
मेरिट लिस्ट में
तृतीय स्थान

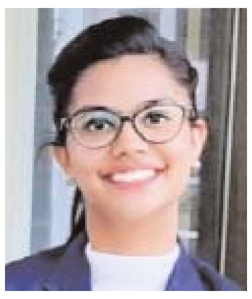

अन्वी जैन
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2022
मेरिट लिस्ट में
प्रथम स्थान

हिना राजदेव
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2022
मेरिट लिस्ट में
द्वितीय स्थान

हिमांशी बब्बर
एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2022
मेरिट लिस्ट में
तृतीय स्थान

संत हिरदाराम नगर। अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से संचालित संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राओं ने शैक्षणिक परिणामों में संस्थान को पुन: गौरवान्वित किया है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा जारी एम. बी. ए. की मेरिट लिस्ट में संस्थान की छात्रा निकिता विधानी ने चौथा स्थान प्राप्त किया। एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड की 2021 मेरिट लिस्ट में दामिनी ठाकुर, शालू वरलानी एवं सेहर खान ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं 2022 मेरिट लिस्ट में अन्वी जैन, हिना राजदेव एवं हिमांशी बब्बर ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सन 2010 में जब संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की स्थापना हुई, तब यह पहला कदम था जहाँ पर परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के मिशन 'महिला सशक्तिकरण' को मूर्त रूप दिया गया जिसके द्वारा मध्य प्रदेश में प्रबंध शिक्षा में छात्राओं के लिए प्रोत्साहन दिया गया। तेरह वर्ष की विकास गाथा में जो संस्थान की प्रगति है। वो संत हिरदाराम साहिब जी का आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी का मार्गदर्शन ही है, जो संस्थान को सफलता के उच्च स्तरों पर ले जा रहा है। परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊ जी के द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा से ही अविरल प्रयास किए जाते हैं। समय-समय पर आपके द्वारा छात्राओं हेतु विशेष सत्रों का आयोजन किया जाता है, जिनके माध्यम से आप अपने जीवन के अनुभवों को विस्तार से समझाते हैं एवं छात्राओं को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। इन सभी सत्रों में परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी के विचार जीवन अमृत की तरह होते हैं, जिन्हें पाकर छात्राएं अनुगृहित महसूस करती हैं एवं मार्गदर्शन पाकर अपनी सफलता का अध्याय रच रही हैं। विभिन्न प्रांतों से आई छात्राएं जब संस्थान में आकर आपके आशीर्वचनों को प्राप्त करती हैं, तब उनकी सफलता अविस्मरणीय हो जाती है, जिसमें शिक्षा के साथ संस्कारों का भी समागम होता है।

छात्राओं का उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन संस्थान के उच्च स्तर के एकेडमिक संसाधनों का परिचायक है, जिसमें सभी समर्पित प्राध्यापक अपना सम्पूर्ण योगदान देते हैं, ताकि छात्राओं का भविष्य उज्जवल हो सके। संस्थान के उच्च शिक्षित एवं अनुभवी प्राध्यापकों के द्वारा प्रेक्टिकल नॉलेज के साथ-साथ सेल्फ लर्निंग मोड के माध्यम से रोचक तरीके से अध्ययन करवाया जाता है। इसी के साथ साथ इंडस्ट्री से विषय विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, ताकि छात्राओं को सर्वश्रेष्ठ अध्ययन मिले। पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद प्री-यूनिवर्सिटी टेस्ट के माध्यम से छात्राओं को मुख्य परीक्षा के लिए तैयार किया जाता है, ताकि उनका एकेडमिक प्रदर्शन अव्वल रहे। यही वजह है कि संस्था की छात्राओं ने न केवल एकेडमिक प्रगति में संस्था का नाम गौरवान्वित किया है, बल्कि ट्रेनिंग और प्लेसमेंट में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और सफलता की नई परिभाषा गढ़ी है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए संस्थान ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ हाथ मिलाया है, जिसमें यूनिसेफ, नैसकॉम, सदरलैंड ग्लोबल आदि प्रमुख हैं, जिनके द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है की छात्राएं सभी दिशाओं में उत्तरोत्तर प्रगति कर सकें। जो छात्राएं यूनिवर्सिटी की मेरिट लिस्ट में अव्वल हैं वह प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च पद पर कार्यरत हैं एवं अपने संस्थान अपनी नगरी और अपने प्रदेश का नाम ऊंचा कर रही हैं। एम. बी. ए. की मेरिट लिस्ट में संस्थान की छात्रा निकिता विधानी वर्तमान में बैंक ऑफ इंडिया भोपाल में अफसर पद पर कार्यरत है, एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड मेरिट लिस्ट की प्रथम स्थान प्राप्त छात्रा दामिनी ठाकुर वर्तमान में सदरलैंड ग्लोबल में लीड जिओ एच. आर. के पद पर कार्यरत है। इसी प्रकार अन्य छात्राएं भी विभिन्न संस्थानों में कार्यरत हैं।ऐसी कई गौरवपूर्ण उपलब्धियां हैं, जो संस्थान की छात्राओं के नाम है जो ये दर्शाती हैं कि श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी के द्वारा बीजारोपण किए गए नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों की वजह से जीवन के प्रत्येक कदम पर सफलता अवश्यंभावी है। श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी के आशीर्वचनों को अंगीकार करके छात्राएं सभी गतिविधियों में सफलताएं प्राप्त कर रही हैं, चाहे वो शैक्षणिक उपलब्धियां हों, विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करना हो अथवा ट्रेनिंग और प्लेसमेंट में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करना हो, छात्राओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि संस्कारों में ही सर्वव्यापी सफलताओं की कुंजी है। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी के अथक प्रयासों एवं प्रेरणा का परिणाम है कि संस्थान की छात्राएं महिला सशक्तिकरण को सही मायने में सार्थक कर रही हैं। पिछले तेरह वर्षों से संस्थान ने जिस तरह से सफलता के नई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, वह संभव हुआ है प्रबंधन की दूरदर्शिता, उचित मार्गदर्शन एवं संस्थान के समर्पित शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ की वजह से। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं शिक्षकों ने छात्राओं एवं अभिभावकों को इस उपलब्धि के लिए बधाइयां दी एवं छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

रेहटी के गौरव दिवस पर शहरवासियों ने किया मुख्यमंत्री का अभिनंदन

रोड-शो के दौरान जगह-जगह बनाए मंचों से हुआ स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रेहटी नगर के गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। रेहटी में मुख्यमंत्री चौहान के रोड-शो के दौरान नगरवासियों ने पुष्प-वर्षा तथा फूल माला पहना कर आत्मीय अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने नगरवासियों को गौरव दिवस की बधाई और शुभकामनाएँ दी। नगरवासियों ने अपने त्यौहारों की भाँति ही रेहटी नगर के गौरव दिवस को भी हर्षोल्लास से मनाया और आपसी सद्भाव का परिचय देते हुए एक दूसरे को गौरव दिवस की बधाई दी। नगरवासियों ने घरों, गली, मोहल्लों में साज-सज्जा और रंग-बिरंगी रोशनी से सजावट की। बेटियाँ भी अपने प्रिय मामा को अपने बीच पाकर खुश नजर आयीं। मुख्यमंत्री चौहान रोड-शो में मुख्य मार्ग से पुराना बस स्टेण्ड, होली टेकरा, हनुमान चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे। रोड-शो के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने घरों की छत और बाल्कनी से पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री चौहान का अभिनंदन किया। जगह-जगह बनाए गए मंचों से नागरिकों ने फूल-मालाएँ भी मुख्यमंत्री को पहनाई।

रोड-शो के मार्ग में बनाये गये मंचों से समाजसेवी-व्यापारी संघों, शासकीय-अशासकीय संस्थाओं तथा प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

विकास प्रदर्शनी का अवलोकन: मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर विभागीय योजनाओं, उपलब्धियों तथा गतिविधियों पर केन्द्रित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी स्थल पर लाड़ली लक्ष्मी एवं लाड़ली बहना योजना जैसी अनेक हितग्राहीमूलक योजनाओं से प्रदेश की जनता को लाभान्वित करने के लिए महिलाओं ने मुख्यमंत्री चौहान को धन्यवाद दिया। रोड-शो में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सांसद रमाकांत भार्गव, इछावर विधायक करण सिंह वर्मा, पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह राजपूत सहित अनेक जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण: मुख्यमंत्री चौहान ने रेहटी में गौरव दिवस पर नगर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 28 करोड़ 31 लाख रूपए की लागत के 9 निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन तथा 32 करोड़ 56 लाख रूपए के 10 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

सलकनपुर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सलकनपुर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता को देखा और सभी निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान उन्होंने तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सांसद रमाकांत भार्गव, सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय सहित अनेक जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चौहान ने 23 मई 2022 को सलकनपुर में 43 करोड़ 69 लाख 72 हजार रूपए के अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया था। इनमें 6 करोड़ 41 लाख रूपए की लागत से देवीधाम सलकनपुर में शिव मंदिर के समीप पार्किंग तथा शिव मंदिर के विभिन्न विकास कार्य, 16 करोड़ 99 लाख रूपए की लागत से मंदिर परिसर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण तथा भोजशाला एवं सूर्य द्वार का नवीनीकरण, 11 करोड़ 55 लाख रूपए की लागत से मेला ग्राउण्ड का विकास, सिंह द्वार का विस्तार एवं सरोवर का सौन्दर्यीकरण तथा 8 करोड़ 74 रूपए की लागत से 125 नवीन दुकानों का निर्माण एवं 6 भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है।

प्रेमबाई को फूल माला पहना कर गले से लगाया: मुख्यमंत्री चौहान ने सलकनपुर मंदिर प्रांगण में फूलों की दुकान लगाने वाली प्रेमबाई से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने प्रेमबाई को फूल माला पहना कर गले लगाया तो वे भाव विभोर हो उठी।

किसी विशेष दुकान से स्कूल सामग्री लेने दबाव डालने पर होगी कार्रवाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ●
भोपाल

कलेक्टर ने सभी एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी को दिए निर्देश

कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए है कि जिले में धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी हैं जिसके अंतर्गत कोई भी शिक्षण संस्थान, स्कूल, विद्यालय अपने विद्यार्थियों को किसी विशेष संस्थान, दुकान से पुस्तक, किताब और स्टेशनरी का सामान खरीदने के लिए दबाव नहीं डालेगा और ना ही ऐसे किसी भी प्रकार के निर्देश देगा। यदि किसी स्कूल,संस्थान के विरुद्ध किसी प्रकार की शिकायत मिलती है तो उसके प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में यह भी सुनिश्चित करें कि शिक्षण संस्थानों द्वारा बच्चों और पालकों पर किसी भी प्रकार का दबाब नहीं बनाया जाए । यदि किसी भी शिक्षण संस्थान द्वारा इस प्रकार का कोई निर्देश या समान खरीदने के लिए प्रेरित किया जाता है तो उन संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि तत्कालीन कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया द्वारा फरवरी में ही इस इस संबंध में धारा 144 के अंतर्गत आदेश जारी किए गए थे। धारा 144 के अंतर्गत जारी आदेश के अनुसार भोपाल जिले में शासकीय, अशासकीय विद्यालय, कालेज संचालित है, इनमें अशासकीय स्कूलों, कालेजों, शैक्षणिक संस्थाओं में काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं । विभिन्न सूत्रों से जानकारी में आया है, कि शिक्षण सत्र प्रारंभ होने पर कई अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन द्वारा शाला में पढ़ने वाले विधार्थियों को उनके द्वारा बताई गई विशेष दुकान से ही पाठ्य-पुस्तकें, यूनिफार्म तथा अन्य सामग्री क्रय करने के लिये बाध्य किया जाता है।

374 नगरीय निकायों में गौरव दिवस पर किए गए आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार प्रदेश के 374 नगरीय निकायों में गौरव दिवस मनाया जा चुका है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने शेष 39 नगरीय निकायों में आगामी 2 माह में गौरव दिवस का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं। नगरीय निकाय जैतहरी, शाढ़ौरा, बैतूल बाजार, धार, डबरा (पिछोर), सांवेर, थांदला, कैलारस, पोरसा, सबलगढ़, जेरोन खालसा, निवाड़ी, पृथ्वीपुर, पन्ना, देवरी, गैरतगंज, धामनोद, त्यौंथर, मकरोनिया बुजुर्ग, राहतगढ़, लखनादोन, सिवनी, ब्यौहारी, बड़ोदा, विजयपुर, नरवर, बरगवां, सरई, बडागांव, बल्देवगढ़, जतारा, खरगापुर, लिधोराखास, टीकमगढ़, नौरोजाबाद, पाली, कुरवाई, लटेरी और विदिशा में गौरव दिवस का आयोजन आगामी 2 माह में किया जाना है।

पूर्व मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन पहुंचकर महाकाल के दर्शन किए और प्रदेश की समृद्धि की कामना की। किसानों की मांगों को लेकर जीतू अभियान चला रहे हैं।

यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय में पीजी छात्रों के लिये ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू

भोपाल। आयुष विभाग द्वारा मेनिट हिल्स आयुष परिसर में संचालित हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय महाविद्यालय में आज पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मेहमूदा बेगम ने कहा कि तीन विषयों में पीजी कोर्स शुरू होने से राजधानी भोपाल के मरीजों को यूनानी चिकित्सा का और बेहतर इलाज मिल सकेगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे यूनानी चिकित्सा क्षेत्र में नये अनुसंधान पर लगातार अध्ययन करें। कार्यक्रम को संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. इफ्तेखार अहमद ने भी संबोधित किया। कॉलेज में 22 छात्रों को पीजी के लिये प्रवेश दिया गया है। यूनानी चिकित्सा पद्धति स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान की लगभग 2500 साल पुरानी पद्धति है। इसकी शुरूआत ग्रीस (यूनान) से हुई है। यूनानी विधा के मूल सिद्धांतों में ब्रह्माण्ड के 4 तत्व हवा, पानी, मिट्टी एवं अग्नि का उल्लेख है। प्रदेश में शासकीय स्तर पर 64 यूनानी औषधालय संचालित हो रहे हैं।

एमपी ट्रांसको ने तैयार किया नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के लिए 132 केव्ही की लाइन एवं फीडर-वे

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (ग्रांसको) ने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के लिए अपने 400 के.व्ही. सब-स्टेशन जुलवानिया से 132 के.व्ही. लाइन एवं फीडर-वे का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि क्षेत्र में मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम के 3 पॉवर हाउस के लिए विद्युत आपूर्ति करेगी। नर्मदा विकास प्राधिकरण डिवीजन-14 की अजंदी-नागलवाड़ी माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन पावर हाउस-1 के लिए इस लाईन एवं फीडर का निर्माण किया गया है। लगभग 50 किलोमीटर की 132 के.व्ही. की लाइनों से विद्युत आपूर्ति 400 के.व्ही. सब-स्टेशन जुलवानिया से किया जाना है। इसके तहत पावर हाउस-1 के लिए यह पहली लाइन और फीडर-वे तैयार कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस लाइन के ऊर्जीकृत होने से 132 के.व्ही. की सप्लाई पॉवर हाउस-1 के यार्ड तक पहुँच गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने माइक्रो इरिगेशन सिस्टम के लिए लाइन और फीडर-वे के निर्माण में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी हैं। उन्होंने कहा है कि क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के लिए ट्रांसमिशन कंपनी समय पर अपने कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखें। ट्रांसमिशन कंपनी के कारण सिंचाई परियोजनाओं में कोई देरी न हो।

आवास बनाते समय तकनीक के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण भी अपनाएं: विदिशा मुखर्जी

नव नियुक्त इंजीनियर्स की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण मंडल श्रीमती विदिशा मुखर्जी ने कहा है कि इंजीनियर्स मकान बनाते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण भी अपनाएँ। श्रीमती मुखर्जी सोमवार को प्रशासन अकादमी में म.प्र. गृह निर्माण मंडल के नवनियुक्त इंजीनियर्स की 3 दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला 12 अप्रैल तक चलेगी। इसमें लगभग 100 इंजीनियर्स शामिल हुए है। कार्यशाला का प्रारंभ दीप जला कर किया गया। विदिशा मुखर्जी ने कहा कि मकान तो मिस्त्री भी बनाते हैं। आप इंजीनियर हैं तकनीकी रूप से सोचते हैं, जो सोचते हैं वह डिजाइन करते हैं और उसे मूर्तरूप देते हैं। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में आपको यह भी सोचना होगा कि हम ऐसा क्या करें जो दूसरों की सोच से आगे हो। इंजीनियर्स को तकनीकी के साथ व्यावहारिक रूप से भी सोचना होगा। उन्होंने कहा कि आवास की डिजायन यह ध्यान में रख कर तैयार करें, जैसे उस आवास में आपकों रहना है और आपकी आवश्यकताओं के अनुसार उसमें क्या-क्या होना चाहिए।

प्रथम-सत्र में उपायुक्त श्री एम.के. साहू ने प्रशिक्षणार्थियों को विभागीय सेटअप से परिचय कराया। उन्होंने मेजरमेंट बुक का मेटेंनेस, साईट ऑर्डर, साईट पर सामान की टेस्टिंग आदि की जानकारी दी। मण्डल के सेवानिवृत्त एवं वरिष्ठ एग्जिक्यूटिव इंजीनियर श्री अजय तिवारी ने अपने अनुभव प्रशिक्षणार्थियों के साथ साझा किये। उन्होंने भूमि-अधिग्रहण, भूमि आवंटन, टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से एप्रूवल और काम के लिये अनुमोदन संबंधी प्रक्रिया से अवगत कराया।

होम्योपैथी के क्षेत्र में नये रिसर्च कर जन सामान्य में विश्वस को मजबूत करें: प्रमुख सचिव

गवर्मेंट होम्योपैथी महाविद्यालय में विश्व होम्योपैथी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रमुख सचिव आयुष फैज अहमद किदवई ने कहा कि नये अनुसंधान कर होम्योपैथी का जन-सामान्य में विस्तार किये जाने की जरूरत है। उन्होंने होम्योपैथी के क्षेत्र में हो रहे नये कार्यों को भी जनता के सामने लाये जाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव किदवई आज भोपाल के गवर्मेंट होम्योपैथी महाविद्यालय में विश्व होम्योपैथी दिवस पर हुए कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री किदवई ने होम्योपैथी के जनक सैम्यूल हैनीमेन की 268वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर आयुक्त आयुष श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर भी मौजूद थी।

प्रमुख सचिव आयुष ने कहा कि होम्योपैथी के प्रेक्टिशनर की कार्य क्षमता में भी लगातार अपडेट किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन और सोरायसिस के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य हो रहा है। जनजातीय क्षेत्र में सिकल सेल एनीमिया के उपचार के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं, जो सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश देखा गया है कि जब मरीज चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों से निराश हो जाता है, तब वह होम्योपैथी की तरफ बढ़ता है। प्रमुख सचिव ने कहा कि होम्योपैथी से जिन मरीजों का बेहतर उपचार किया गया है, उनके विचार जन-सामान्य के बीच लाये जाने की आवश्यकता है। ऐसा करके होम्योपैथी के प्रति लोगों का?विश्वास और बढ़ेगा।

आयुक्त आयुष श्रीमती वायंगणकर ने कहा कि प्रदेश में होम्योपैथी चिकित्सा की 213 डिस्पेंसरी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में होम्योपैथी के फॉलोअर्स लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के आयुष ग्रामों में होम्योपैथी के ओर विस्तार किये जाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को डॉ. पॉल, प्राचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा, डॉ. परिहार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि सरकारी होम्योपैथी कॉलेज की स्थापना वर्ष 1991 में की गई थी। इसके बाद यह कॉलेज वर्ष 2008 से मेनिट हिल्स आयुष परिसर में संचालित हो रहा है। देश में सर्वाधिक 126 स्नातक और 70 स्नातकोत्तर छात्र प्रतिवर्ष प्रवेश ले रहे हैं। आयुष परिसर में 150 बिस्तरों का हॉस्पिटल भी संचालित किया जा रहा है। इनमें प्रतिदिन औसत रूप से 500 रोगियों का होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से उपचार किया जा रहा है। महाविद्यालय में पढ़ाई के बाद छात्रों के प्लेसमेंट के लिये कॉलेज में विशेष सेल बनाया गया है।

एम्स में कोविड तैयारियों के लिए कार्यपालक निदेशक की उपस्थिति में हुई बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निदेशक बोर्ड कक्ष में कार्यपालक निदेशक, एम्स, भोपाल की अध्यक्षता में कोविड तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में डीन अकादमिक, चिकित्सा अधीक्षक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और उप चिकित्सा अधीक्षक शामिल हुए। चिकित्सा अधीक्षक ने बैठक में बताया कि कोविड रोगियों के लिए निर्धारित किए जाने वाले कुछ ऑक्सीजन बेड चिह्नित किए गए हैं । निदेशक ने उनको मरीजों और उनके परिचारकों द्वारा कोविड रोकथाम की सावधानियों के बारे में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए ओपीडी में करने योग्य और न करने योग्य बातों की जानकारी वाले पोस्टर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया । विभागाध्यक्ष, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग ने बताया कि पिछली बार किए गए प्रबंधन की तर्ज पर इस बार भी आईसीयू बेडों को कोविड रोगियों के लिए आईसीयू देखभाल की आवश्यकता के अनुसार चरणबद्ध तरीके से निर्धारित किया जाएगा । विभागाध्यक्ष, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग ने बताया कि ऑक्सीजन की वर्तमान आपूर्ति किसी भी घटना से निपटने के लिए पर्याप्त है। विभागाध्यक्ष, ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग ने बताया कि नमूना संग्रहण क्षेत्र (सैंपल कलेक्शन एरिया) तैयार है और

विभाग द्वारा कोविड संक्रमण के प्रबल संदेह के साथ विभाग में रिपोर्ट करने वाले मरीजों के स्वैब के नमूने लिए जाते हैं । माइक्रोबायोलॉजी के विभागाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल, विभाग में आरटीपीसीआर जाँच के पर्याप्त किट उपलब्ध हैं और विभाग द्वारा पॉजिटिव मामलों की सीक्वेंसिंग की जाएगी । जनरल मेडिसिन के विभागाध्यक्ष द्वारा चिकित्सा अधीक्षक को दवाओं की आवश्यकता से अवगत कराया जाएगा ताकि किसी भी घटना के लिए अस्पताल स्टोर और अमृत फार्मेसी स्टोर में दवाओं की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित की जा सके ।

कार्यपालक निदेशक ने कहा कि हालांकि इस समय स्थिति चिंताजनक नहीं है और ओपीडी में रिपोर्ट करने वाले अधिकांश रोगियों का इलाज ओपीडी के आधार पर होता है, लेकिन एक शीर्ष संस्थान के रूप में एम्स, भोपाल द्वारा कोविड के कारण आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए समय-समय पर सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगें । निदेशक ने चिकित्सा अधीक्षक को कोविड की तैयारियों के लिए मॉक ड्रिल कराने का भी निर्देश दिया । उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, चिकित्सा अधीक्षक और उप चिकित्सा अधीक्षकों को कोविड रोगियों की संख्या में वृद्धि के लिए अपने विभाग की तैयारियों को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए ।

सम्पादकीय

अनशन पर पायलट

राजस्थान में चुनावी आहट के साथ ही कांग्रेस नेता सचिन पायलट एक बार फिर राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद करने की राह पर चल दिए हैं। जयपुर के शहीद स्मारक पर आज सुबह 11 बजे से सचिन पायलट मौन धारण कर धरने पर बैठ गए हैं। बताया जा रहा है कि वे शाम चार तक धरना देंगे। इधर, धरनास्थल पर लगे पोस्टरों ने सियासी हलचल मचा दी है, क्योंकि यहां लगे पोस्टरों में राहुल-सोनिया से लेकर किसी भी कांग्रेसी नेता के फोटो नहीं है। केवल महात्मा गांधी की फोटो लगाई गई है।

इस बीच, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पायलट से बातचीत करने के लिए आज दोपहर बाद जयपुर पहुंचने वाले थे, उनका यह दौरा अचानक कैंसिल हो गया है। अब वह बुधवार को जयपुर आ सकते हैं। असल में, पायलट ने घोषणा कर दी थी कि अगर पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कदम नहीं उठाए गए तो वह राज्य सरकार के खिलाफ एक दिन का अनशन करेंगे। पायलट ने इस बार मुद्दे चुनने और उसे उठाने का तरीका तय करने में काफी सावधानी बरती है। उनका कहना है कि पिछले चुनावों से पहले उनके साथ-साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी लोगों से वादा किया था कि अगर वे सत्ता में आए तो वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए कथित घोटालों की जांच करवाएंगे।

पायलट का कहना है, चूंकि अब चुनाव में ज्यादा समय नहीं रह गया है, इसलिए कांग्रेस सरकार को अपना वादा पूरा करना चाहिए ताकि चुनावों के दौरान लोगों के बीच जाने पर उसे असुविधाजनक सवालों का सामना न करना पड़े। मगर इन औपचारिक बयानों के पीछे की सचाई यह है कि पायलट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बीजेपी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के बीच की राजनीतिक नजदीकी से वाकिफ हैं। समझा जाता है कि पिछली बार गहलोत सरकार गिराने की पायलट की कोशिश नाकाम करने में वसुंधरा की अघोषित मदद का महत्वपूर्ण हाथ था।

पायलट अच्छी तरह जानते हैं कि गहलोत, वसुंधरा को नाराज नहीं करना चाहेंगे। शायद इसीलिए उन्होंने वसुंधरा सरकार के दौरान हुए कथित घोटालों की जांच को मुद्दा बनाया है। मगर गहलोत और पायलट की इस लड़ाई ने एक बार फिर कांग्रेस नेतृत्व का सिरदर्द बढ़ा दिया है। कहां तो कांग्रेस अपना पूरा फोकस कर्नाटक विधानसभा चुनावों पर बनाए रखना चाहती थी और कहां राजस्थान में असमय ही यह बखेड़ा खड़ा हो गया। वैसे, पायलट की गांधी परिवार से करीबी जगजाहिर है। कुछ दिनों पहले कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के समय मुख्यमंत्री पद न छोड़ने की अशोक गहलोत की जिद ने आलाकमान की किरकिरी भी कराई थी। मगर राजस्थान में कांग्रेस विधायकों के बीच गहलोत की मजबूत पैठ के पुख्ता सबूत मिलते रहे हैं। संभवतः यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व उन्हें डिस्टर्ब करने के मूड में नहीं लग रही। जयराम रमेश और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रंधावा के अशोक गहलोत के समर्थन में आए बयान भी यही संकेत दे रहे हैं।

दूसरी तरफ, पायलट का रुख भी बताता है कि वह अब इंतजार करते-करते थक गए हैं। देखने वाली बात यह होगी कि अपनी मांग पर जोर देने के क्रम में पायलट कितने कदम आगे बढ़ाते हैं। क्या वह पार्टी की सीमा भी पार कर लेंगे या पार्टी के अंदर से ही नेतृत्व पर दबाव बनाते रहेंगे। यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन इतना तय है कि समय रहते किसी तरह सुलझाई न जा सकी तो दोनों नेताओं की यह आपसी लड़ाई अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को काफी कमजोर करेगी।

हां, अनशन स्थल पर लगे पोस्टरों की भाषा समझें तो ऐसा लगता है कि पायलट अगले चुनाव में अपना अलग मोर्चा भी बना सकते हैं। उनके पोस्टरों में कांग्रेस नेताओं के फोटो नहीं हैं। गांधी परिवार भी नहीं है। राहुल और प्रियंका से उनके अच्छे संबंध हैं, लेकिन पोस्टर में ये लोग नहीं हैं। केवल गांधीजी का फोटो है और अनशन के दौरान पायलट मौन धारण किए रहेंगे। यानि बोलेंगे कुछ नहीं। उनका मुद्दा वसुंधरा के शासनकाल के दौरान हुए घोटालों की जांच की मांग है। इसमें कांग्रेस के खिलाफ दिखता तो कुछ नहीं है, लेकिन गहलोत पर अप्रत्यक्ष निशाना लगा रहे हैं। गहलोत वसुंधरा के खिलाफ कोई जांच नहीं चाहते, इसके पीछे उनकी वसुंधरा से अंडरटेबल डीलिंग बताई जाती है। वसुंधरा को भाजपा हाईकमान हाशिए पर भेजना चाहता है, सो वसुंधरा ने गहलोत से दोस्ती कर ली है। देखना होगा कि कांग्रेस नेतृत्व इस पर क्या फैसला करता है? इस समय पार्टी का पूरा ध्यान कर्नाटक पर है, क्योंकि वहां सत्ता में आने की संभावनाएं दिख रही हैं।

क्या प्रवचनकार हिन्दू राष्ट्र के संविधान पर भी कुछ बोलेंगे

हिन्दू राष्ट्र
ॐ
भारत

रंजन

देश में विशेषकर मध्यप्रदेश में प्रवचनकारों की बाढ़ आई हुई है जिनके पास सारे समस्याओं का हल है। उनमें से कुछ भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं और अपने मंचों से इसके बारे में बड़ी-बड़ी घोषणाएं भी कर रहे हैं। प्रवचनकारों ने, ऐसा लगता है, हिंदू राष्ट्र बनाने की एक मुहिम छेड़ रखी है और वे भारत को एक हिंदू राष्ट्र घोषित करवा के ही रहेंगे।

इन लोगों को देखने और सुनने भारी संख्या में लोग उपस्थित होते हैं जिनमें हमारे कर्णधार राजनेता भी होते हैं। जब इस तरह की घोषणाएं होती हैं तो उनका तालियों से स्वागत भी होता है। एक प्रवचनकार तो कहते हैं कि दिल्ली अब दूर नहीं है और हिन्दू राष्ट्र की घोषणा होकर रहेगी।

पर इसके पीछे उनकी मंशा क्या है? क्या भारत के संविधान में उनकी आस्था नहीं है जो वे हिन्दू राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं और इस बात पर जनता को उद्वेलित कर रहे हैं? और क्या इस तरह कि घोषणा करना भारत के संविधान का अनादर और अवमानना नहीं है?

भारत का संविधान एक दिन में नहीं बना। इस संविधान के गठन में देश के उन महान विभूतियों का योगदान है जिन्होंने देश को आजादी दिलाने में अपना अप्रतिम योगदान दिया और उन्होंने एक ऐसे संविधान की परिकल्पना की जो कि धर्म , जाति, सम्प्रदाय के नाम पर देश के नागरिकों के बीच भेदभाव नहीं करता है और जिसके आधार पर एक पंथनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना की गयी जिसमें हम रहते हैं।

भारत की शीर्ष अदालत ने अपने कई महत्वपूर्ण फैसलों में जिसमे केशवानंद भारती केस का बार बार उल्लेख आता है , ये स्पष्ट किया है कि संविधान में परिवर्तन तभी मान्य होगा अगर वह संविधान के आधारभूत संरचना को प्रभावित नहीं करता है। इसलिए इन प्रवचनकारों को ये सोचना भी नहीं चाहिए कि संविधान में परिवर्तन करके भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जा सकता है।

अतः अगर हिन्दू राष्ट्र बनाने की मुहिम सिर्फ भीड़ जुटाने या उनसे तालियां बजवाने के लिए नहीं है तो प्रवचनकारों को ये स्पष्ट करना चाहिए कि वे हिन्दू राष्ट्र कैसे बनाएंगे या बनवाएंगे और इसका संविधान क्या होगा ? क्या उस संविधान में वर्तमान शासन और प्रशासन की ही पद्धति होगी या कोई और व्यवस्था होगी? क्या वर्तमान न्याय व्यवस्था ही रहेगी या मनुस्मृति आधारित न्याय व्यवस्था होगी। उल्लेखनीय है कि कुछ इस्लामिक राष्ट्रों में शरिया आधारित न्याय व्यवस्था है।

और अगर शासन प्रशासन और न्याय व्यवस्था में किसी परिवर्तन की परिकल्पना नहीं है और सभी नागरिकों को समान अधिकार ही रहना है तो वर्तमान व्यवस्था से क्या तकलीफ है जो हिन्दू राष्ट्र की घोषणा की बात की जा रही है।

क्या वे प्रवचनकार जो हिन्दू राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं इस बात को भी स्पष्ट करेंगे कि उनका 'हिंदू राष्ट्र' (अगर उनका सपना साकार होता है तो) वर्तमान राष्ट्र से किन मायनों में भिन्न रहेगा? हिंदू राष्ट्र बनने से भारत के समक्ष जो आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक चुनौतियाँ हैं उनका समाधान कैसे होगा? देश में गरीबी कैसे कम होगी? अमीर और गरीब के बीच खाई कैसे दूर होगी। अपराध विशेषकर ऐसे अपराध जो महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रहे हैं वे कैसे कम होंगे? भ्रष्टाचार कैसे ख़त्म होगा? राजनीति का अपराधीकरण कैसे रुकेगा? धर्म और धार्मिक गुरुओं का शासन और प्रशासन में कोई स्थान होगा या उससे दूर रहेंगे?

क्या ये सच नहीं है कि जो देश तरक्की कर रहे हैं और आज आर्थिक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से हमसे कहीं आगे हैं वे किसी धर्म आधारित राज्य की परिकल्पना में कोई भी विश्वास नहीं करते? हिन्दू राष्ट्र बनाने की उद्घोषणा कर रहे अगर ये प्रवचनकार भारत के वर्तमान संविधान, उसमें उनका विश्वास और अपने संविधान के ऊपर भी कोई व्याख्या आने वालों प्रवचनों में करें तो लोगों की जानकारी ही बढ़ेगी।

राज-काजः भूपेंद्र-गोविंद की 'काट' ढूंढ पाएंगे दिग्विजय..

दिनेश निगम 'त्यागी'

कांग्रेस के लिए कठिन मानी जाने वाली सीटों की श्रंखला में वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह अब बुंदेलखंड पहुंच रहे हैं। अंचल के पांच जिलों की कई सीटों में भाजपा मजबूत है। फिर भी कांग्रेस की नजर सागर जिले में ज्यादा है। इसकी दो वजह हैं। एक, ये प्रदेश का एक मात्र ऐसा जिला है, जहां से प्रदेश की भाजपा सरकार में तीन कद्दावर नेता गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत मंत्री हैं। दूसरी वजह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के खास सिपहसलार गोविंद सिंह राजपूत हैं। गोविंद भी सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए थे।

उनकी सीट सुरखी सागर जिले में है, इसलिए कांग्रेस के निशाने पर। पहले चरण में दिग्विजय अपने बेटे जयवर्धन सिंह के साथ खुरई क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के खास मंत्री भूपेंद्र सिंह यहां से विधायक हैं। दिग्विजय अब तीन दिन के लिए सागर में डेरा जमाने वाले हैं। उनका फोकस गोविंद राजपूत की सीट सुरखी पर ज्यादा रहेगा। वे जानने की कोशिश करेंगे कि कौन गोविंद को शिकस्त अथवा टक्कर दे सकता है। इसके बाद वे दूसरी सीटों पर ध्यान देंगे। गोपाल भार्गव की सीट पर कांग्रेस को ज्यादा कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इसलिए दिग्विजय दूसरे क्रम पर भाजपा के प्रदीप लारिया और शैलेंद्र जैन की सीटों पर फोकस रख सकते हैं। पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दिग्विजय सागर में भूपेद्र-गोविंद की काट ढूंढ़ पाएंगे?

राहुल पर टिप्पणी कर फंस तो नहीं गए 'महाराज

महाराज अर्थात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बोले। स्वेच्छा से बोले या मजबूर किए गए, इसे लेकर कयासों का दौर जारी हैं। उन पर जिस तरह हमले हो रहे हैं, इससे लगता है कि 'आ बैल मुझे मार की तर्ज' पर महाराज फंस गए। वे किस जोशीले अंदाज में अपनी बात रखते हैं, हर कोई जानता है। किसी विरोधी के खिलाफ बोलना हो, तो सुनने वालों तक में जोश आ जाता है। राहुल के खिलाफ वे बोले तो यह जोश नदारद था। जिसने भी उनकी बॉडी लैन्वेज देखी, यही सवाल उठा, महराज दिल से नहीं मजबूरी में बोल रहे हैं। इसकी वजह भी है।

कांग्रेस में रहते महाराज राहुल के ही सबसे नजदीक थे। उन्होंने कांग्रेस छोड़ी तो राहुल ने सिर्फ इतना कहा था, ज्योतिरादित्य के लिए मेरे दरवाजे हमेशा खुले थे। मुझसे मिलने के लिए उन्हें किसी की अनुमति की जरूरत नहीं थी। इसके बाद से अब तक राहुल ने सिंधिया के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की। ज्योतिरादित्य भी हमेशा राहुल के खिलाफ टिप्पणी से बचते नजर आते थे। पहली बार उन्होंने मीडिया के सामने आकर राहुल के खिलाफ कड़ी भाषा का प्रयोग किया। इस पर जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह और अधीर रंजन जैसे नेताओं ने सिंधिया को घेर लिया। उन्हें गद्दार तक कह दिया। यह विवाद आगे बढ़ता दिख रहा है। अब तो राहुल गांधी की भी प्रतिक्रिया आ गई है।

नरोत्तम के खिलाफ भाजपाई पर ही दांव की तैयारी

कांग्रेस के लिए कठिन विधानसभा सीटों में दतिया भी है। इसका प्रतिनिधित्व प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा करते हैं। उनके कारण भी यह सीट पार्टी के निशाने पर है। नरोत्तम की तोड़ ढूंढ़ी जा रही है। यह जवाबदारी भी वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के पास है। लोहा से लोहा काटने की तर्ज पर कांग्रेस नरोत्तम के खिलाफ किसी भाजपाई पर ही दांव लगाने की तैयारी में है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के खास रहे एक नेता पर पार्टी की नजर है। ये दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। एक बार इनका मुकाबला नरोत्तम से भी हो चुका है। ये दतिया के स्थानीय हैं और यहां से ही विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे थे।

अचानक नरोत्तम की परंपरागत सीट डबरा अजा के लिए आरक्षित हो गई और वे दतिया आ गए। नरोत्तम के प्रयास से इन्हें हालांकि भाजपा सरकार लालबत्ती भी दे चुकी है लेकिन विधायक न बन पाने की कसक इनके अंदर अब भी है। खबर है कि दिग्विजय एवं कमलनाथ से इनकी बात हो चुकी है। भाजपा ने यदि इन्हें किसी सीट से एडजस्ट न किया तो अगला चुनाव ये नरोत्तम के खिलाफ लड़ सकते हैं। दतिया में हार-जीत का अंतर ज्यादा नहीं रहता, इसलिए नरोत्तम ने भी क्षेत्र में फोकस बढ़ा दिया है। कांग्रेस नेताओं पर हमेशा तंज कसने वाले नरोत्तम को पार्टी कितना घेर पाती है, यह समय बताएगा।

दिग्विजय के जवाब में मोर्चे पर भाजपा के दिग्गज

ग्वालियर अंचल में कद्दावर नेता रहे राव देशराज सिंह यादव के बेटे और निमाड़ में एक पूर्व सांसद के दिग्विजय सिंह के प्रयास से कांग्रेस में शामिल होने के बाद भाजपा का प्रदेश नेतृत्व चौकन्ना हो गया है। उसे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दौरों से भाजपा मजबूत हो रही है लेकिन निचले स्तर तक नाराजगी कम न हुई तो गड़बड़ हो सकती है। संभवतः इसीलिए भाजपा के रूठे नेताओं को मनाने की कमान पार्टी के बड़े नेताओं को सौंपी गई है। इनकी कोशिश दिग्विजय के प्रयासों को नाकाम करना होगी।

ये नेता समय-समय पर अपनी दक्षता सिद्ध कर चुके हैं। इनमें तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, प्रभात झा और राकेश सिंह हैं तो बुंदेलखंड, मालवा, चंबल के धाकड़ नेता गोपाल भार्गव, कैलाश विजयवर्गीय और जयभान सिंह पवैया भी। माखन सिंह, कृष्ण मुरारी मोघे, सत्यनारायण जटिया, फग्गन सिंह कुलस्ते, माया सिंह, लाल सिंह आर्य और सुधीर गुप्ता जैसे नेताओं को भी जवाबदारी सौंपी गई है। इन्हें तीन-तीन जिलों का प्रभार सौंपा गया है। ये अपने प्रभार के जिलों में जाकर रूठे कार्यकताओं को मनाएंगे और सामंजस्य, समन्वय बनाकर अपनी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। यह निर्णय कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की सक्रियता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

व्यक्तिगत टिप्पणियों से मजाक का पात्र बनते प्रवक्ता

राजनीति में गिरावट के मामले में भाजपा-कांग्रेस के कुछ बड़े नेता भी मर्यादाएं लांघ रहे हैं। मप्र भाजपा और कांग्रेस के कुछ प्रवक्ता तो इस मसले पर सारी हदें पार करते नजर आ रहे हैं। किसी की किसी नेता के प्रति व्यक्तिगत खुन्नस या नाराजगी हो सकती है। उनके विरोध में वे पागल जैसे होकर ट्वीट करने लगें तो लोगों के बीच मजाक का पात्र बनना स्वाभाविक है। प्रदेश भाजपा और कांग्रेस के कुछ प्रवक्ताओं के बीच ऐसा अभियान चरम पर है।

कोई कमलनाथ के प्रति व्यक्तिगत खुन्नस निकालने भाजपा के बैनर का उपयोग कर रहा है तो कोई शिवराज सिंह चौहान एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमले के लिए कांग्रेस का। ये प्रवक्ता ऐसी-ऐसी हल्की और स्तरहीन टिप्पणियां करते हैं, जिनका 'न कोई सिर होता, न पैर'। इन्हें पढ़ कर लोग हंसने के अलावा कुछ नहीं करते। मजेदार बात यह है कि भाजपा और कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इन पर अंकुश नहीं लगाता। इसके विपरीत कुछ बड़े नेता तक इनकी जसी हरकतें करते नजर आ जाते हैं। अच्छा होता यदि प्रवक्ता मुद्दों और विचारधारा के आधार पर कांग्रेस अथवा भाजपा को कटघरे में खड़ा करते। ऐसे ट्वीट करते जो लोगों के दिल और दिमाग में उतरते और वे कोई धारणा बनाते लेकिन यहां तो प्रवक्ताओं के बीच इस बात की होड़ लगी है कि कौन सबसे ज्यादा मजाक का पात्र बनता है?

ऑटो मोड में कांग्रेस का प्लेन, बुड्ढों से कैसे करेगी सस्टेन

सरयूसुत मिश्र

कांग्रेस का जहाज अब हर राज्य में हिचकोले खा रहा है. जहाज के यात्रियों में अफरातफरी मची हुई है. जहाज के क्रू मेम्बर्स पायलट की ही नहीं सुन रहे हैं. कांग्रेस के राजस्थान का जहाज तो पायलट पर ही चढ़ कर क्रैश होने की तरफ बढ़ता दिखाई पड़ रहा है. यहाँ का पायलट अब अनशन पर आ गया है और गुर्जरों का धड़ा पायलट के साथ खड़ा है. वहीं कांग्रेस के जहाज के पायलट में भ्रम का यह आलम है कि क्रैश लैंडिंग की खबरों के बाद भी चैन के साथ अडानी की बंसी बजा रहे हैं.

राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में अशोक गहलोत का भले ही जलवा हो लेकिन पार्टी के अंदर शोक का माहौल साफ देखा जा सकता है. राजस्थान में जब सरकार बनी थी तब सचिन पायलट ही कांग्रेस के पायलट थे. वही उस समय पार्टी के लिए सत्य और सुंदर थे लेकिन राजनीतिक सत्य को अनुभव से, धन से या प्रभाव से कुछ ऐसा बदला गया कि आज 2018 का कांग्रेस का राज्य अध्यक्ष भ्रष्टाचार पर उस दौरान किए गए वायदों को पूरा करने के लिए अनशन पर उतर गया है.

वैसे तो सात रंग होते हैं लेकिन राजनीति में रंगों की संख्या अनगिनत दिखाई पड़ती है. सचिन पायलट का अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ अनशन सीधे तौर पर तो उनकी और गहलोत के बीच चल रही राजनीतिक जंग का नया धारावाहिक लग रहा है लेकिन इसके पीछे स्क्रिप्ट राइटर, डायरेक्टर कोई दूसरा ही सफल चेहरा हो सकता है. राजस्थान में कांग्रेस और बीजेपी के बीच में सीधा राजनीतिक मुकाबला है. अभी तक वहां हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज रहा है. इसी साल के अंत में होने वाले चुनाव में यही रिवाज कायम रहा तो बीजेपी का सरकार में आना तय माना जा रहा है.

बीजेपी में अंदरूनी हालात बहुत अच्छे नहीं दिखाई पड़ रहे हैं. वसुंधरा राजे राजस्थान में बीजेपी का बड़ा चेहरा मानी जाती हैं. उनके समर्थक निश्चित ही उन्हें ही सीएम फेस के रूप में देखना चाहते हैं. बीजेपी राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से अब तक जो भी संकेत सामने आए उससे दिखाई पड़ रहा है कि वसुंधरा राजे को शायद इस बार बीजेपी का नेतृत्व मिलना कठिन होगा. वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत के बीच में राजनीतिक तालमेल हमेशा से देखा जाता रहा है. सचिन पायलट की बगावत के बाद जब राजस्थान की कांग्रेस सरकार गिरने की संभावना देखी जा रही थी तब भी ऐसा कहा गया था कि बीजेपी के वसुंधरा राजे धड़े ने अशोक गहलोत की सरकार को गिरने से बचाने की भूमिका निभाई थी.

अब सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ जो मुद्दा उठाकर अनशन पर बैठने का ऐलान किया है उसमें कांग्रेस के साथ ही बीजेपी की राजनीति भी प्रभावित होती दिखाई पड़ रही है. वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के रूप में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच निश्चित रूप से जहां अशोक गहलोत के लिए बड़ी चुनौती रहेगी. वहीं वसुंधरा राजे भी इन मामलों के उभरने से राजनीतिक टारगेट पर आएंगी. सचिन पायलट यह टारगेट जितने असरकारी ढंग से आगे रखने में सफल होंगे बीजेपी में वसुंधरा राजे की भूमिका उतनी ही कमजोर करने में उनके विरोधियों को उतनी ही सहूलियत होगी.

सचिन पायलट ने जो मुद्दा उठाया है वह निश्चित रूप से जनसामान्य को अपील करने वाला है. कोई भी पार्टी या नेता जब चुनाव के समय कोई मुद्दा उठाता है तो सरकार गठन के बाद निश्चित रूप से उन मुद्दों पर वायदे के मुताबिक कार्यवाही करना उसका नैतिक दायित्व होता है. अक्सर ऐसा देखा गया है कि चुनाव में सरकार के मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप विपक्ष के नेता लगाते हैं. सरकार में आने के बाद विपक्ष के वही नेता कोई कार्यवाही नहीं करते हैं. उसी तरह के कदम और कार्यवाही उनको भी फायदेमंद दिखाई पड़ती है. राजस्थान में भी सचिन पायलट ने भ्रष्टाचार के मामले को पकड़ा है. ऐसा लगता है कि शायद सचिन पायलट ने कांग्रेस से अपना रिश्ता अलग कर नई राजनैतिक लाइन पकड़ने का तय कर लिया है.

सचिन के सामने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने का विकल्प तो शायद अब नहीं बचा है. उनके सामने तीसरे मोर्चे के रूप में मैदान में उतर कर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने का ही अवसर बचा हुआ है. उनमें इस बात की संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं. राजनीति में उम्र उनके साथ है. युवाओं में उनकी लोकप्रियता भी देखी जा सकती है. वे यदि कांग्रेस छोड़कर स्वयं राजनीतिक दल बनाते हैं और चुनाव में उतरते हैं तो अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के विरोध में एक राजनीतिक ताकत के रूप में उभरना उनके लिए बहुत कठिन नहीं हो सकता. इस खेल में उन्हें निश्चित रूप से बीजेपी और गहलोत विरोधियों का सहयोग मिलना तय माना जा रहा है.

कांग्रेस में परिवारवादी राजनीति के भंवर में सचिन पायलट ने राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर अपना राजनीतिक अस्तित्व कायम करने में सफलता हासिल की है. अशोक गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान को जिस ढंग से आंखें दिखाई थीं उसके बाद भी उनके खिलाफ कोई कार्यवाही करने में सक्षम नहीं हो पाना कांग्रेस के लिए शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी. राजस्थान में नए नेतृत्व की तलाश के लिए मल्लिकार्जुन खडगे ही केंद्रीय पर्यवेक्षक के रुप में गए थे, जो अब कांग्रेस के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इस समय गहलोत के इशारे पर कांग्रेस विधायकों ने विद्रोह किया था और पर्यवेक्षकों को खाली हाथ लौटना पड़ा था. कांग्रेस के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह सारा अपमान स्वयं भोगा था. उसके बाद भी गहलोत और उनके समर्थकों के खिलाफ कांग्रेस का कमजोर आलाकमान कुछ भी करने में सफल नहीं हो सका.

सचिन पायलट के लिए कांग्रेस में सीमित संभावनाएं ही दिखाई पड़ रही हैं. अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच तकरार इस सीमा में पहुंच गई है कि अब दोनों में से कोई एक ही कांग्रेस के जहाज में सुरक्षित यात्रा कर सकता है. सचिन पायलट द्वारा अनशन का ऐलान यह संकेत कर रहा है कि शायद यह पायलट कांग्रेस के जहाज से जंप करने को तैयार हो गया है।

जहां किन्नर ने संतान की मन्नत मांगी और फिर...!

ब्रम्हदीप अलूने

धर्म,आध्यात्म और विज्ञान प्रकृति के रहस्यों पर कभी साथ साथ तो कभी आमने सामने होते है। दुनिया में बहुत सारे ऐसे रहस्य अनायास सामने आ जाते है जो अविश्वसनीय लेकिन सच के बहुत करीब होते है। जीवन में सबसे खुबसूरत एहसास होता है माँ बनना। यह सौभाग्य सिर्फ महिलाओं को ही प्राप्त है क्योकि उनमें ही गर्भनाल होता है और इसीलिए वह माँ बन सकती है। लेकिन जब किन्नर ही माँ बन जाए तो यह विज्ञान के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

मध्यप्रदेश के बडवानी जिले में आगरा मुम्बई रोड़ से कुछ ही दूरी पर सतपुड़ा की पहाड़ियां है और यहां पर एक गाँव है नागलवाडी। इस गाँव में एक प्राचीन भीलट देव का मंदिर है जहां पर संतान प्राप्ति की इच्छा पूर्ण हो जाती है।नि-संतान लोग संतान की चाह पूरी करने के लिए दूर दराज के इलाकों से यहाँ आते है और प्रतिवर्ष यहाँ भीलट देव का मेला भी लगता है। तकरीबन दो सौ साल पहले यहां की एक घटना बेहद दिलचस्प है जिसके अवशेष अब भी यहां देखे जा सकते है। दरअसल एक किन्नर ने भीलट देव के यहां संतान की मन्नत पूरी होने की सच्चाई आजमाने के लिए स्वयं के लिए संतान प्राप्ति की मन्नत मांग ली। महीने गुजरने के साथ वाकई उसे गर्भ ठहर गया। किन्नर के लिए यह बेहद अप्रत्याशित था और वह हतप्रभ भी थी की अब क्या होगा। हालांकि बच्चा होने के ठीक समय नौवे महीने में किन्नर की मृत्यु हो गई। संतान प्राप्ति के लिए आस्था के सबसे बड़े केंद्र माने जाने वाले भगवान भीलट को किन्नर के द्वारा इस तरह आजमाना किसी को रास नहीं आया और इसके बाद किन्नरों के लिए यहां रात्रि विश्राम करना शापित मान लिया गया। मरने के बाद किन्नर को वहीं दफना दिया गया और उसकी समाधि भी बना दी गई जहां जाना अपशकुन मान लिया गया ।

किन्नर का माँ बनना विज्ञान की दृष्टि से असम्भव है लेकिन उस समय परिस्थितियां भी भिन्न थी। वास्तव में महिलाओं के शरीर पर सामान्य से ज़्यादा बाल,हिरसूटिज़्म या एंड्रोजन नाम के पुरुष हार्मोन की मात्रा अधिक होने के कारण होते हैं। कुछ बीमारियों में यह समस्या उभर सकती हैं।शरीर पर सामान्य से ज़्यादा बाल (हिरसूटिज़्म) होने के बीमारी में महिलाओं के चेहरे,छाती और पीठ सहित शरीर के उन हिस्सों में कड़े बाल उग आते हैं जहां अक्सर पुरुषों के बाल उगते हैं।पॉली सिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर भी एक ऐसी बीमारी है जिसमें महिलाओं के शरीर में अप्रत्याशित बदलाव आ जाते है यह शारीरिक बदलाव पुरुषों जैसे होते है।पुराने दौर में शिक्षा की कमी होने से पुरुषों जैसे शारीरिक बदलाव आने पर महिलाओं को समाज किन्नर मान लेता था और समाज से उन्हें अलग कर दिया जाता था। डॉक्टर कहते है कि ऐसी बीमारी से ग्रस्त किसी महिला को संतान हुई होगी वहीं बाबा के भक्त इस दलील को ख़ारिज करते है।

किन्नर को बाबा भीलट देव के आशीर्वाद से संतान प्राप्ति का चमत्कार इस इलाके में कई बरसों से मशहूर है। यहीं नहीं इस गाँव को किन्नरों के लिए अभिशिप्त माना जाता है। घटना के बाद इतने बरस बीत गए है लेकिन किन्नर इस गाँव में रात न रुकने की परम्परा पर कायम है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

आप कार्यकर्ताओं ने सौंपा सीएमओ को ज्ञापन

ओबैदुल्लागंज। वार्ड नंबर 12 के अर्जुन नगर में कूड़े कचरे के ढेर। जिससे स्थानीय लोगो को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही थी।। गंदगी के कारण मक्खी,मच्छर बढ़ रहे थे ।। जिससे लोगो में संक्रमण का,एवं स्वास्थ संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा था ।। जिम्मेदार लोग ध्यान नहीं दे रहे थे ।। आम आदमी पार्टी ने समस्या को सीएमओ सोनाली शर्मा को निवेदन पत्र दिया समस्या को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ ने तुरंत कार्यवाही कर सफाई के आदेश दिए। आवेदन देते हुए जिला उपाध्यक्ष सुबेग सिंह शीतल, मनजीत सिंह, राहुल नायक विक्की आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

4 किलो ग्राम अवैध गांजा के साथ, 2 आरोपी गिरफ्तार

ओबैदुल्लागंज।अवैध गतिविधियों जैसे सट्टा, जुआ अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की धर पकड़ हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विकाश कुमार शाहवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमृत मीणा द्वारा जिले में लगातार अवैध मादक पदार्थों के विक्रय एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर धरपकड़ हेतु निर्देश दिये गये है। निर्देशो के पालन में एसडीओपी औबेदुल्लागंज मलकीत सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप चौरसिया द्वारा लगातार मुखबिर तंत्र के माध्यम से सूचना एकत्रित कर दिनांक 09.04.2023 को मुखबिर सूचना पर आरोपी 1. राजा कुचबंदिया पिता कंछेदी कुचबंदिया उम्र 40 साल निवासी संजय नगर वार्ड न.04 वंडा जिला सागर 12 बबीता पति भगत कुचबंदिया उम्र 45 साल निवासी इतवारा छँकोडी मंदिर के पास भोपाल के कब्जे से अवैध 04 किलो ग्राम कीमती 40,000/- रूपये का अवैध गांजा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला जेल रायसेन दाखिल किया गया है। जिससे अवैध मादक पदार्थों का विक्रय परिवहन करने वाले आसामाजिक तत्वो पर भय का वातावरण बना है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज निरीक्षक संदीप चौरसिया, उनि सुरेन्द्र वटकर, सउनि जुगल किशोर लोवंशी, प्रआर 379 पुष्पेंद्र सिंह प्रआर 339 विजेश जाट, आर 446 रवि मीना, महिला आर. 791 बिन्दु प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां तेज, कलेक्टर एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

खरगोन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के महेश्वर आगमन की तैयारियां तेज हो गई है। 14 अप्रैल को वे यहां बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती और महिला महासम्मेलन में पहुचेंगे। सोमवार को कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और एसपी श्री धर्मवीर सिंह ने तैयारियों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूड़ी जीन स्थित मैदान पर कार्यक्रम स्थल के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। यहाँ पार्किंग, मंच, प्रदर्शनी, सजावट आदि के सम्बंध में निर्देशित किया। मंच और डॉम में बैठक व्यवस्थाओं तथा रैंप मजबूत और चौड़ा बंनबने के निर्द्रेश दिए है। इसके बाद उन्होंने जेल प्रांगण स्थित हेलीपेड का अवलोकन किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा, एसडीएम श्री अग्रिम कुमार, एसडीओपी श्री मनोहर गवली, डिप्टी कलेक्टर श्री अनिल जैन, पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री श्री विजय पंवार, टीआई श्री पंकज दिक्षीत, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री गजराज यादव, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री सचिन शर्मा, पार्षद श्री शैलेंद्र जैन, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री दामोदर महाजन, श्री बक्शी राम यादव, श्री भूपेंद्र जैन, श्री कृष्णकांत रोकड़े, श्री स्वप्निल गुप्ता के अलावा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

फाउण्डेशन की पहल पर शुरु हुआ जीर्णशीर्ण मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य

छतरपुर। किशोर सागर तालाब के किनारे ब्रह्मकुमारीज विश्वविद्यालय के सामने स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य समाजसेवी संस्था हम फाउण्डेशन की पहल पर आपसी सहयोग से कराया जा रहा है। सोमवार को उक्त कार्य का शुभारंभ शिक्षाविद् डॉ. विनोद रावत, फाउण्डेशन के संरक्षक मनीष दोसाज, जिलाध्यक्ष प्रवीण गुप्त, इंजी अनुज टिकरया, तन्मय दोसाज सहित अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त मंदिर की बाउंड्रीवाल को पिछले दिनों अज्ञात असमाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। इस मंदिर पर ध्यान देते हुए समाजसेवी संस्था हम फाउण्डेशन के पदाधिकारियों ने छतरपुर नगर पालिका के अधिकारियों से मंदिर को दुरुस्त कराने का कई मर्तबा आग्रह किया लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। अंततः हम फाउण्डेशन ने अब स्वयं ही इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराने का संकल्प लिया है।

छतरपुर नगर पालिका का पुतला दहन करेगी कांग्रेस पार्टी

छतरपुर। नगर पालिका द्वारा जल कर की राशि अस्सी रुपये से बढ़ाकर 180 रुपये करने एवं नवीन नल कनेक्शन की सिक्योरिटी राशि 500 से बढ़ाकर 3500 रुपये करने एवं लगातार मकान टैक्स बढ़ाने ठेकेदारों से 20प्रतिशत कमीशन लेकर घटिया काम कराने सहित विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री मोहम्मद अली भारतीय के नेतृत्व में 13.04.2023 गुरुवार को नगर पालिका के सामने प्रदर्शन कर नगर पालिका का पुतला दहन किया जाएगा और कार्यवाही की मांग को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री मोहम्मद अली भारतीय ने बताया कि छतरपुर शहर में आधे से ज्यादा आबादी गरीब है। नगर पालिका द्वारा हाल में परिषद की बैठक में जलकर एवं नल कनेक्शन की सिक्योरिटी की राशि बढ़ा दी है। मकान टैक्स की राशि भी लगातार बढ़ाई जा रही है। इंजीनियर बाबूराम चौरिसया ठेकेदारों से 20प्रतिशत कमीशन लेकर घटिया काम कराया जा रहा है।

अतिक्रमण के साए में चल रहा सीएम राइज स्कूल आज होगा फूले सीएम राईज विद्यालय के नाम का उद्घाटन

दमोह सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह को थी लंबे समय से बच्चों के खेल मैदान एवं सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्री वाल की जरूरत है और जब स्वीकृति मिली तो अतिक्रमण के चलते अधूरा पढ़ा आज भी निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा बाउंड्री वॉल और खेल मैदान का निर्माण कार्य पूरा।

जब इस संबंध में सीएम लाइव स्कूल के प्राचार्य आरती कुर्मी जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि लगातार लंबे समय से बाउंड्री की आवश्यकता थी तो इसका प्राक्लन तैयार हुआ और लगभग एक करोड़ कार्य स्वीकृत हुए 2021 सितंबर में जिसमें बाउंड्री वाल खेल मैदान बाली बाल बास्केटबॉल मुख्य द्वार वाहन पार्किंग सेट विद्यालय परिसर में रोड पेयजल व्यवस्था सांस्कृतिक मंच का निर्माण आदि कार्य कराए जाना थे उस हिसाब से जो पहला पॉइंट है जो बाउंड्री वाल का है लेकिन जब बाउंड्री बाल के लिए परेशानी हुई तो वहां पर पूर्व प्राचार्य ने लगातार 19 जनवरी 22 में एक पत्र लिखा और कलेक्टर साहब ने 7 दिवस मैं कार्रवाई करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी को लिखा इसके बाद 23 फरवरी 2022 को पूर्व प्राचार्य के द्वारा यहां से अतिक्रमण हटाने को लेकर पुनः अनुभवी अधिकारी को उसके संबंध में पत्र लिखा और जो विद्यालय परिसर में अतिक्रमण के संबंध में उसी क्रम में वर्तमान प्राचार्य भी दो-तीन बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है जिसमें 13 जनवरी 2023 को भी ही एक पत्र दिया था अगर अतिक्रमण जो है अच्छे से हट जाता है तो बच्चों के आने-जाने की सुविधा बच्चों की साइकिल इत्यादि कई बार चोरी हो जाती हैं बाउंड्री वॉल की निर्माण एजेंसी पुलिस हाउसिंग अधोसंरचना विकास निगम भोपाल

सरकारी जमीन विवाद को लेकर

माता-पिता सहित बेटा पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला

दमोह रविवार देर रात 108 के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकस्वाहा जिला छतरपुर से माता-पिता सहित बेटा को सिर, हाथ- पैर और अन्य जगह गंभीर चोट आने पर इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाया गया। घायलो दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया जहा इलाज जारी है। घायलो के बताए अनुसार गंगाराम पिता खिलान दौदेरिया उम्र 60 वर्ष, गीता पति गंगाराम उम्र 50 वर्ष और बेटा सौरभ पिता गंगाराम उम्र 20 वर्ष निवासी धर्मपुरा हल निवास बक्सवाहा जिला छतरपुर का इलाज चल रहा है.

घायल गंगाराम ने बताया की

जमीनी विवाद पर हरिश्चंद्र, राम सिंह, रमेश व महेंद्र यादव द्वारा मेरे पती बच्चों और मुझ पर लाठी हसिंया से हमला किया, वह हमें जमीन से बेदखल करना चाहते। जहां उन्होंने आकर लाठी, हंसिया चलाकर घायल किया है। वहीं डॉक्टर के अनुसार बताया जा रहा है कि लाठियां, धारदार हथियार से माता-पिता सहित बेटा घायल हुआ है, जिनका उपचार चल रहा है. पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

इनका कहना है

पत्थर उठाने को लेकर विवाद हुआ है मारने बाले यादव समाज के दो लडके है ओर घायलो को डॉक्टर न मिलने से बक्सवाहा से जिला अस्पताल रिफर किया गाया और मामले की जांच जारी है

थाना प्रभारी डी एस नलवाया बक्सवाहा

कोविड की आहट को लेकर अस्पताल में मॉक ड्रिल,4 ऑक्सीजन प्लांट चालू मिल

शिवपुरी - देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों के बाद सोमवार को शिवपुरी के जिला अस्पताल में भी मॉकड्रिल की गई। मॉकड्रिल के जरिए जिला अस्पताल में कोरोना के संक्रमण से निपटने के लिए तैयारियों का जायजा लिया गया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ आरके चौधरी के मुताबिक कोरोना के संक्रमण से निपटने के लिए जिला अस्पताल पूरी तरीके से तैयार है। आज स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देश का पालन करते हुए जिला अस्पताल में मॉक ड्रिल की गई। इस मॉकड्रिल के जरिए कोरोना के संक्रमण से लड़ने की तैयारियों का जायजा लिया गया। सिविल सर्जन डॉ आरके चौधरी ने बताया कि जिला अस्पताल में मौजूद चारों ऑक्सीजन प्लांट चालू हालात में हैं। ऑक्सीजन प्लांट के जरिए ऑक्सीजन की सप्लाई वार्डों तक बखूबी पहुँच रही है। जिला अस्पताल में 30 बिस्तर का कोविड आइसोलेशन को तैयार कर के रखा गया है। इसके अतिरिक्त 10 बेड का कोविड आईसीयू पूरी तरीके से तैयार है। जिला अस्पताल पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी मौजूद है साथ ही पर्याप्त बेड की भी व्यवस्था है जो आगामी समय में मरीजों की संख्या के आधार पर बढ़ा दिए जाएंगे। सिविल सर्जन आर के चौधरी ने बताया कि अभी कोरोना संक्रमण की टेस्टिंग किट के जरिए की जा रही है। कोविड के मामले बढ़ने पर मेडिकल कॉलेज सहित ग्वालियर और दिल्ली जांचों को भेजने की व्यावस्था की गई है।

मंत्री सिंधिया ने की विकास कार्यों की समीक्षा

शिवपुरी - कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सोमवार को जिले के भ्रमण के दौरान लाड़ली बहना योजना सहित विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लाड़ली बहना योजना के संबंध में निर्देश दिए हैं कि शहर में जिन क्षेत्रों में प्रगति कम है वहां अधिकारियों के साथ ही पार्षद भी लगे। जो भी समस्या आती है अधिकारियों को सूचित करें। लाड़ली बहना योजना में हर पात्र महिला हितग्राही को लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा की और जीपीएस सिस्टम से मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। पाइप लाइन के कारण जिन सड़कों को खोदा गया है उन्हें तत्काल मरम्मत करा कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में भी पेयजल व्यवस्था, पीएचई विभाग की नल जल योजना, डिस्ट्रीब्यूशन लाइन और नालों की सफाई के निर्देश दिए हैं।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बैठक में कहा कि माधव चौक शिवपुरी शहर का प्रमुख चौराहा है। यहां कोई पोस्टर बैनर नहीं होना चाहिए। शहर में पार्किंग व्यवस्था और हॉकर जोन के लिए नगर पालिका जगह चिन्हित करके प्लान तैयार करें। इसके अलावा बस स्टैंड को ठीक कराने के निर्देश दिए। अभी शिवपुरी शहर में सिद्धेश्वर मेला लगेगा। मेला समिति गठित करें और मेला अच्छे स्तर का होना चाहिए जो शिवपुरी की पहचान बने। इसके अलावा जिला खेल अधिकारी को तीन स्कूल चिन्हित कर मल्टी जिम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने अवैध अतिक्रमण को लेकर सख्त रवैया अपनाने को कहा है जो भी शासकीय जमीन है उन्हें चिन्हित करें और अवैध अतिक्रमण हटाए। शासकीय भूमि का नोटिस बोर्ड लगाएं अभी झांसी रोड पर काम चल रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा काम कराया जा रहा है। यह सुनिश्चित करें कि सड़क की गुणवत्ता ठीक होना चाहिए।

इससे पूर्व मंत्री सिंधिया ने सतनवाड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज यूआईटीआरजीपीवी में उत्कृष्टता केंद्र की लैबों का उद्घाटन कर छात्रों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से शिवपुरी का नाम रोशन करने की सीख दी।

मेडिकल कालेज शीघ्र निर्माण डीन की नियुक्ति कर, इसी सत्र से छात्रों को प्रवेश दिए

मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा की ओर से कलेक्टर को दिया जाएगा ज्ञापन

छतरपुर। मेडिकल कालेज को लेकर छतरपुर शहर में फिर से आंदोलन शुरू होने की सुगबुगाहट सुनाई दे रही है। दरअसल मेडिकल कालेज निर्माण में हो रही देरी को लेकर लोगों में गुस्सा है। सोमवार को शहर की कल्याण धर्मशाला में मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बैठक की गई है। बैठक में रणनीति बनाई गई है। अब मोर्चा की ओर से शीघ्र कालेज निर्माण एवम तुरंत डीन की नियुक्ति और मेडिकल की कक्षाएं शुरू करने की मांग की गई है। इसको लेकर आज मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर संदीप जीआर को 1 बजे ज्ञापन दिया जाएगा।

सोमवार देर शाम हुई मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा की बैठक में तय किया गया है कि मंगलवार को ज्ञापन के बाद से 15 अप्रैल से आंदोलन शुरू किया जाएगा। सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक छतरपुर शहर के सबसे अहम छत्रसाल चौराहा पर आंदोलन किया जाएगा। यह आंदोलन 15 अप्रैल से निरंतर चलेगा। इस आंदोलन में मोर्चा के अलावा छतरपुर शहर के साथ जिलेभर के समाजसेवी संगठन, व्यापारी संगठन, छात्र संगठन के साथ-साथ अन्य लोगों का साथ रहेगा।

यहां बता दें, छतरपुर शहर में मेडिकल कालेज निर्माण के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2018 में घोषणा की थी। इससे पहले मेडिकल कालेज के लिए व्यापक स्तर पर आंदोलन किया गया था। इसी आंदोलन की आग में भाजपा को छतरपुर विधानसभा से हाथ धोना पड़ा था। ऐसे में अब निर्माण और अन्य मांगों को लेकर अगर आंदोलन जोर पकड़ता है तो इसके दूरगामी परिणाम चुनाव में देखने को मिलेंगे।

30 सितंबर 2018 को मेडिकल कालेज के लिए मुख्यमंत्री ने शिलान्यास कर दिया था। चार अक्टूबर 2018 को मेडिकल कालेज के निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति देकर 30 अगस्त 2018 को कालेज के लिए ग्राम गौरगांय छतरपुर में भूमि आवंटित कर दी गई थी। तीन जनवरी 2019 को लोक निर्माण विभाग की ओर से निविदा आमंत्रित की गई, जिसमें पांच प्रतिभागियों ने भाग लिया। शासन ने 22 जून 2019 को सभी पांच निविदाएं अस्वीकृत करते हुए निविदा प्रक्रिया ही निरस्त कर दी थी। मेडिकल कालेज के लिए दोबारा से टेंडर हुए तो गुजरात की जेपी इंफ्रा को ठेका मिला था। जेपी ने कम राशि में यह ठेका लिया था।

उधर मध्यप्रदेश शासन की पूर्व मंत्री एवं भाजपा की प्रदेश मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने भोपाल से दूरभाष पर हुई चर्चा के दौरान बताया कि मेडिकल कालेज के संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों से चर्चा की है। इस समय मैं भोपाल में हूं। मैंने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा है। मैं मेडिकल कालेज को लेकर भोपाल से कोई न कोई निष्कर्ष लेकर ही आऊंगी। भले ही मुझे दो-चार दिन भोपाल में क्यों न रूकना पड़े।इस बैठक में डॉ.सुभाष चौबे, हरि अग्रवाल, सुरेश बाबू खरे, श्याम अग्रवाल, अंकुर यादव, राकेश गुप्ता, दिव्यराज सिंह परिहार, पुष्पेनद्र कुमार सोनी, राकेश चौरसिया ठेकेदार, मुकेश सिंह जाटव, घनश्याम गुप्ता, शिवम तिवारी, शशांक गुप्ता, घनश्याम दास चौरसिया, राजीव गंधी, प्रिंस गुप्ता, सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

37 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान, साल का सबसे गर्म दिन रिकार्ड

सीहोर। बार-बार बदलते मौसम के मिजाज के बीच सीहोर जिले में सोमवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में दिन प्रतिदिन लगातार हो रही बढ़ोतरी से लोगों को भीषण गर्मी का एहसास होने लगा है।

जानकारी के अनुसार इस साल मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है इन सबके बीच अब भीषण गर्मी ने भी दस्तक दे दी है सोमवार को सीहोर जिले में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है तापमान में हुई बढ़ोतरी के कारण लोगों को अब गर्मी का एहसास होने लगा है वहीं दूसरी ओर लगातार बढ़ रहे तापमान से अब जल संकट भी दस्तक देने लगाएं बताया गया है कि एक टैंकर की कीमत इस समय 500 रुपए चल रही है जिससे अनुमान लगाया जा सकता है जल संकट कितना अधिक गहरा गया है। देखा जा सकता है कि इस साल की शुरुआत में जहां जनवरी में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ा था और न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था वही फरवरी से गर्मी का दौर शुरू हो गया था परंतु मार्च माह में तेज आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि गर्मी को रफूचक्कर कर दिया था लेकिन अप्रैल माह की शुरुआत होने के साथ ही एक बार फिर गर्मी ने तीखे तेवर दिखाना शुरू ही किए थे की फिर बारिश हुई और अब एक बार फिर सूरज ने सोमवार से आंखे तिरछी कर ली है।उल्लेखनीय है की कल ही सीहोर जिले में 7 मिलीमीटर बारिश हुई थी और 1 दिन बाद ही अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक जा पहुंचा है।इस संबंध में शासकीय कृषि कॉलेज में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएस तोमर ने बताया कि मौसम इस समय साफ है और आगामी दिनों में तापमान और बढने् की संभावना है।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर आज होगा प्रतिभाओं का सम्मान

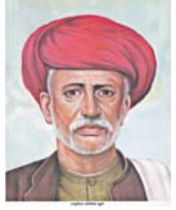

नर्मदापुरम7 संयुक्त माली सैनी सामाजिक कल्याण समिति नर्मदापुरम द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जन्मोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज शाम 6-30 बजे से स्वयंवरम गार्डन चक्कर रोड मालाखेड़ी में आयोजित की जाएगा। समिति के मीडिया प्रभारी एवं सहसचिव अंकित सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि माली सैनी समाज के गौरव महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 196वी जयंती पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी माली सैनी समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। सैनी ने आगे बताया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नर्मदापुरम के कुछ चुनिंदा पत्रकारों का सम्मान भी कार्यक्रम में किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अजय सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माली समाज के विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत ए डी एम जी पी माली करेंगे।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में चयनित अभ्यार्थियों का सम्मान

छतरपुर। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में चयनित अभ्यार्थियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि गरौली स्टेट के राजा रविन्द्र सिंह जू देव जी, कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव विजय सिंह द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण कर दीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव-की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का माल?यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कुलसचिव विजय सिंह ने विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि विश्विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक एवम् नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों के संचालन किया जा रहा है। आज विश्विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों, सेमिनारों, वैविनारों, विचार गोष्ठियों, आर्ट गैलरी के साथ साथ एन.सी.सी, एन.एस.एस,स्पोटर्स सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को उपाधि प्राप्ति के साथ ही रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि इस तथ्य पर संदेह नहीं किया जा सकता कि एक युवा है जो देश के भविष्य को आकार देता है। यदि यह युवा मेहनती और परिश्रमी है तो वह राष्ट की प्रगति के लिए उत्प्रेरक का कार्य करता है। युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को जगाने के लिए यथा समय उनका प्रोत्साहन कर उनकी प्रतिभा का स्वागत करना चाहिए जिससे उनकी कौशलता विकसित हो सके।

मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचन स्वरूप अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ ही जाती है आज के समय में स्वयं को सिद्ध करना एक चुनौती है आप सभी की प्रतिभा का सम्मान करते हुए में अपने आपको गौरवान्वित समझ रहा हूँ कि तमान बाधाओं के बावजूद आपने अपनी मेहनत से कामयाबी की नई कहानी लिखी है इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं लेकिन आपको यही नहीं रूकना है यह महज एक पड़ाव है आपको और आगे जाना है और अपनी खुद की पहचान स्थापित करनी है बेहतर कल को आकार देने के लिये अच्छे भविष्य का निर्माण करने के लिये आप में अपार क्षमता है हर दिन नया सीखने आगे बढ़ने और समाज के हालात बदलने की ललक है।

कुलाधिपति महोदय डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि सूदूर अंचल से आए हुए सभी विद्यार्थियों, गुरूजनों और अभिभावकों का हम अभिनंदन करते हैं। विद्यार्थियों के लिये अंक ही मूल्यांकन का मापदंड नही है। हमें ऐसा विश्वास है कि नित प्रति वे अपनी लगन एवं मेहनत से नए आयाम स्थापित करते हुए निश्चित अभिभूत सफलता प्राप्त करेंगे। जिस तरह ज्ञान का फलक विस्तृत होता है वैसे ही विद्यार्थियों की इच?छा शक्ति होती है। ज्ञान विज्ञान का सम्मिश्रण ही हमें सफलता प्रदान करता है। आज के मुख्य अतिथि जो प्रकृति प्रेमी है उन्होनें पर्यावरण संरक्षण पर अद्भुत कार्य किये हैं विश्वविद्यालय को उन्होनें 1000 पौधे प्रति वर्ष प्रदान करने का आश्वासन दिया है। किसी भी समाज के विकास के लिए युवा रीढ़ की हड्डी होते है। युवा उत्साह, ऊर्जा और गतिशीलता का झरना होते है। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारा भारत देश युवाओं का देश है। युवा ही देश की विरासत को आगे बढ़ाने में और राष्ट को नित नवीन उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों को हासिल करने में सहयोग देते है। इसलिए विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये राष्ट्रीय प्रतिभा खोज का आयोजन करता है जिसके माध्यम से छतरपुर जिले से संबंधित सभी ब्लॉकों के मेधावी छात्र-छात्रायें निखर कर सामने आते हैं। हमारे लिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम युवाओ की प्रतिभा को सम्मानित कर उन्हें यथोचित मार्गदर्शित कर उनके उज्जवल भविष्य के लिये तैयार करें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों का धन्यवाद देता हूँ।

छतरपुर जिले के ब्लॉकों में स्थान पाए हुये अभ्यार्थियों में छतरपुर ब्लॉक से प्रथम हेमन्त पटेल, द्वितीय खुशी गुप्ता एवं तृतीय आस्था पटेल, दिवास तिवारी एवं राहुल कान्त अहिरवार, बिजावर ब्लॉक से प्रथम ओमप्रकाश अहिरवार, द्वितीय अंकुर गुप्ता एवं तृतीय प्रदीप अहिरवार एवं शिवम रजक, राजनगर ब्लॉक से प्रथम रामकुमार साहू, द्वितीय कपिल कुशवाहा एवं तृतीय अनिल अहिरवार, बड़ामल्हरा ब्लॉक से प्रथम शिंकल अहिरवार, द्वितीय प्रीति यादव एवं तृतीय नैन्सी राजा, दिव्यांश विश्वकर्मा एवं सोनू राजपूत, लवकुशनगर ब्लॉक के प्रथम नंदनी पटेल, द्वितीय अंशुल गुप्ता एवं तृतीय रोहित पटेल, नीरज पटेल, अनुराग सोनी, रामनरेश अनुरागी एवं राजकुमार विश?वकर्मा, नौगांव ब?लॉक के प्रथम अरूण पाण?डेय, द्वितीय संजू लोधी एवं तृतीय असलम खान रहे। प्रथम स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को नगद पुरस्कार 5100 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को नगद पुरस्कार 2100 रूपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को 1100 रूपये के साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रशसति पत्र प्रदान किये गये।

इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, अभिभावक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक शिवेंद्र सिंह परमार रहे एवं संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, बादाम और शहतूत के पौधे लगाए।

मऊगंज को जिला बनाने के प्रारूप की अधिसूचना जारी

भोपाल। राजस्व विभाग ने मध्य प्रदेश के रीवा जिले को तोड़कर नया मऊगंज जिला बनाने के प्रारूप की अधिसूचना जारी कर दी है। मऊगंज तहसील को जिले का स्वरुप दिया जाएगा। इस जिले के गठन के बाद प्रदेश में कुल मिलाकर 53 जिले हो जाएंगे। प्रस्तावित मऊगंज जिले में रीवा जिले की तहसील मऊगंज, हनुमना एवं नईगढ़ी शामिल होंगी तथा जिला मुख्यालय भी मऊगंज रहेगा। जबकि विघटित रीवा जिले में तहसील हुजूर, हुजूर नगर, गुढ़, रायपुर कर्चुलियान, मनगवां, त्यौंथर, जवा, सिरमौर एवं सेमरिया रह जाएगी। राजस्व विभाग ने नए जिले मऊगंज के संबंध में आम लोगों को तीस दिन का भीतर दावे आपत्ति बुलवाए है। 10 मई 2023 के बाद यह जिला मूर्त रुप ले लेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले दिनों मऊगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में इस तहसील को जिला बनाने की घोषणा की थी और कहा था कि आगामी 15 अगस्त को वे इसी नए जिले में ध्वजारोहण करेंगे।

ओला ने अपने फिज़िकल फुटप्रिंट बढ़ाए, पूरे देश में एक ही दिन में 50 एक्सपीरियंस सेंटर खोले

रीवा। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने एक ही दिन में देश में 50 एक्सपीरियंस सेंटर खोले हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश में अपने एक्सपीरियंस सेंटर खोलते हुए लोगों के लिए अपनी उपलब्धता एवं सेवाएं आसान बना रहा है। कंपनी ने रीवा में अपने पहले ओला एक्सपीरियंस सेंटर की शुरुआत के साथ अपने डी2सी फुटप्रिंट के विस्तार की घोषणा की है। यह एक्सपीरियंस सेंटर पाड्रा, रीवा, मध्य प्रदेश में मैयर-रीवा रोड पर स्थित है।

स्कोडा स्लाविया को क्रैश सेफ्टी में मिले 5 स्टार

मुंबई । सुरक्षा और टूट-फूट के मामले में स्कोडा ऑटो इंडिया के टिकाऊ होने का दर्जा लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि स्लाविया सेडान को हाल ही में ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) क्रैश टेस्ट्स में 5 में से पूरे 5-स्टार्स मिलेहैं। स्लाविया इस प्रकार ग्लोबल एनसीएपी द्वारा परखी गई सबसे सुरक्षित कार भी बन गई है, भारत के लिये ज्यादा सुरक्षित कारों के मुद्दे को आगे बढ़ाती है और स्कोडा ऑटो इंडिया को भारत की एकमात्र निर्माता बनाती है, जिसके पास क्रैश-टेस्टेड कारों से भरा बेड़ा है, जिन्हें वयस्क और बाल यात्रियों के लिये 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया द्वारा स्थापित किये गये सुरक्षा मानकों पर अपनी बात रखते हुए, स?कोडा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टर श्रीपेट्र सोल्क ने कहा, ÷स्कोडा में अपनी रणनीति के तहत हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते हैं। यह बताते हुए मैं खुश हूँ कि हमारी दूसरी इंडिया 2.0 कार स्लाविया को ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षण में 5-स्टार रेटिंग मिली है। यह बात सुरक्षा, परिवार और मानवीय स्पर्श के हमारे ब्राण्ड के मूल्यों से पूरी तरह मेल खाती है।

यस बैंक ने उज्जैन जिले में क्लस्टर बैंकिंग पहल शुरू की

उज्जैन एजेंसी। यस बैंक ने आज मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में क्लस्टर बैंकिंग पहल शुरू करने की घोषणा की। बैंक ने उज्जैन को एक क्लस्टर के रूप में अपनाया है। बैंक का यह कदम डिजिटलीकरण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्त तक आसान पहुंच प्रदान करने के साथ-साथ देश के कम विकसित भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग पैठ बढ़ाने संबंधी एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा है। इस लॉन्च के साथ, बैंक का उद्देश्य केंद्रित क्लस्टर समूहों के लिए व्यापक वित्तीय सॉल्यूशन पेश करना है, जिसमें व्यवसाय और व्यक्ति दोनों शामिल हैं। इस तरह बैंकिंग सेवाओं को अंतिम छोर तक ले जाकर उज्जैन और इसके पड़ोसी जिलों के अनेक लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। उज्जैन जिले में क्लस्टर बैंकिंग की घोषणा बैंक की पहली क्लस्टर बैंकिंग पहल के ठीक बाद की गई है, जिसे अगस्त 2022 में महाराष्ट्र के नासिक जिले के पिंपलगाँव में लॉन्च किया गया था।

अमेजन पे और भारत बिलपे के साथ पाइए कर्ज अदायगी के एक त्वरित और सुविधाजनक समाधान का अनुभव

मुंबई, एजेंसी। ग्राहकों के अनुभव और उनकी सुरक्षा को लगातार बेहतर बनाने के प्रयास के तहत, भारत बिलपे के सहयोग से अमेजन पे अपनी लोन रिपेमेंट कैटेगरी को और भी बेहतर बना रहा है। बिल पेमेंट के मामले में बिजली और म्युनिसिपल टैक्स जैसे अन्य विकल्पों के बीच लोन रिपेमेंट टॉप कैटेगरी में शामिल हो गया है। यह कैटेगरी उन ग्राहकों को लोन रिपेमेंट की सुविधा प्रदान करती है, जिन्होंने बैंकों, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और एनबीएफसी से कर्ज लिया है, और वे समय पर अपनी ईएमआई का भुगतान करने के लिए एक सुविधाजनक भुगतान विकल्प चाहते हैं।

केएफसी का नया चिकन रोल खाईये केवल 99 रु. में

नई दिल्ली। जीवन विकल्पों के बारे में है। लेकिनफूडीज की एक सबसे बड़ी मुश्किल है, स्वाद और बजट में से एक को चुनना। अपना पसंदीदा खाना ऑर्डर करें या पैसे बचाएं, यह दुविधा हर किसी के मन में आती है। आज की जनरेशनअक्सर इस मुश्किल में रहती है कि ''मुझे यह खाना है, क्योंकि यह स्वादिष्ट है'' और ''क्या इस पर इतना खर्च करें?'' कर्नल सैंडर्स ऑल-न्यू केएफसी चिकन रोल के साथ इस दुविधा का हल लेकर आए हैं। इस लेटेस्ट मेन्यू ऑफरिंगमें स्वादिष्ट और क्रिस्पी चिकन केवल 99 रु. में उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महात्मा ज्योतिबा गोविंदराव फुले जयंती पर किया नमन। अनेक सामाजिक संगठनों ने भी महात्मा फुले की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर उन्हें नमन किया।

मध्यप्रदेश में बहुमत का आंकड़ा छुएगी कांग्रेस मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे कमलनाथ: दिग्विजय

विदिशा। मध्यप्रदेश में जमीनी पकड़ रखने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह संगठन को मजबूती प्रदान करने विदिशा जिले की शमशाबाद और कुरवाई विधानसभा पहुंचे। पूर्व सीएम ने शमशाबाद में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से ऊपर जाकर बहुमत से सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री के चेहरे के सवाल पर उन्होंने बेबाकी से कहा कि हमारा एक ही चेहरा हैं वो हैं श्री कमलनाथ।

पूर्व मुख्यमंत्री पत्रकार वार्ता के बाद शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र की मंडलम सेक्टर की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के 2 ब्लॉक, 5 उप ब्लॉक, 25 मंडलम, 54 सेक्टर व 252 बीएलए से सीधा संवाद किया। उन्होंने बूथ स्तर पर तैयारियों पर जोर देते हुए कहा कि शमशाबाद विधानसभा में कार्यकर्ता मजबूत हैं एकजुट होकर काम करेंगे तो कांग्रेस की जीत निश्चित होगी। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह लगभग साढ़े 18 साल से मुख्यमंत्री हैं तब उन्हे लाडली बहनों की याद नही अब जब चुनाव सर पर हैं तब वे कभी न पूरी होने वाली झूठी घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने मंडलम सेक्टर अध्यक्षों से कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता भी अपने घरों की महिलाओं के पंजीयन लाडली बहना योजना में करवाए ताकि हमें पता हो सके कि वे योजना के नाम से जनता को कितना गुमराह कर रहे हैं। इसके बाद पूर्व सीएम जिला कांग्रेस विदिशा द्वारा आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की द्वितीय सत्र की बैठक में पहुंचे जहां उन्होंने सबसे पहले मंच पर महिला कार्यकर्ताओं को बैठाया व स्वयं अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ नीचे बैठे। उन्होंने एक-एक करके कार्यकर्ताओं को मंच के नजदीक बुलाया और उनसे कांग्रेस चुनाव की तैयारियों को लेकर सुझाव मांगे। कार्यकर्ताओं व नेताओं ने खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता पंचम किरार ने पूर्व सीएम को स्थानीय बोली में गाना सुनाकर अपनी बात रखी। कार्यकर्ताओं की पूरी बात सुनने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी ने जिन कार्यकर्ताओं ने सवाल किए उनके नाम लेकर उन्हे उनके प्रश्नों के जवाब दिए। पूर्व सीएम ने सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर शमशाबाद विधानसभा जीतने का संकल्प दिलवाया।

चुनावी साल में महिलाओं को एक और तोहफ़ा, मिलेंगे 4 हज़ार रुपए

भोपाल। चुनावी साल में महिलाओं को साधने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अब जल्द ही एक और नई योजना शुरू करने जा रहे हैं। इस योजना में प्रदेश की गर्भवती महिलाओं को चार हजार रुपए दिए जाएंगे। इसका नाम मुख्यमंत्री जीवन जननी योजना होगा। इस योजना का लाभ उन महिला हितग्राहियों को मिलेगा जो संबल योजना के दायरे से बाहर हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के बाद महिलाओं के लिए सीएम चौहान द्वारा दो माह में शुरू की जाने वाली यह दूसरी योजना है।

योजना को इसी माह कैबिनेट में मंजूरी दिलाने का काम किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण के लिए इसके पहले सीएम चौहान लाड़ली लक्ष्मी योजना समेत दर्जन भर अन्य योजनाएं चालू कर चुके हैं। मुख्यमंत्री जीवन जननी योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओ को आर्थिक सहायता देने के लिए उनके खाते में 4 हजार रुपए जमा किए जाएंगे। राज्य की ऐसी महिलाओं को योजना का लाभ लेने के लिए गर्भावस्था के दौरान पंजीकरण कराना होगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसी भी जाति, धर्म, समाज का बंधन नहीं होगा। योजना के माध्यम से ऐसी गर्भवती महिलाओं को लाभ दिया जाएगा जिनके पति आयकरदाता नहीं होंगे। साथ ही इस योजना में प्रदेश में संभागीय स्तर पर ड्रग वेयर हाउस की स्थापना की जाएगी। ड्रग वेयर हाउस की स्थापना होने से गर्भवती महिलाओं को दवाओं की निशुल्क मिल सकेंगी।

जेपी अस्पताल में मन्नत एनजीओ के द्वारा बोर्न बेबी किट दुलारवितरित

भोपाल। महापौर के मुख्य अतिथि में आज राजधानी के जिला जेपी अस्पताल में मन्नत एनजीओ के द्वारा बोर्न बेबी किट दुलार वितरी किए गई साथ ही महापौर ने आज स्मार्ट सिटी, गोविंदपुरा स्थित कंट्रोल रूम में महिला महापौर हेल्पलाइन का निरीक्षण किया तथा शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर लाभार्थियों से फीडबैक लिया साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे में समस्या हल करने हेतु आदेशित किया।

लापरवाही पर उपयंत्री नगर परिषद बैतूल बाजार सुभाषचंद्र शर्मा निलंबित

नर्मदापुरम। कमिश्नर नर्मदापुरम श्रीमन् शुक्ला ने उपयंत्री नगर परिषद बैतूल बाजार जिला बैतूल सुभाषचंद्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। जारी आदेश अनुसार उपयंत्री श्री शर्मा द्वारा नगर के विकास कार्यों में रुचि नहीं लेना, प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास पूर्णता का प्रतिशत अत्यंत खराब होना और जल प्रदाय योजना में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण श्री शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री शर्मा का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय जिला बैतूल नियत किया गया है।

आज स्मार्ट सिटी, गोविंदपुरा स्थित कंट्रोल रूम में महिला महापौर हेल्पलाइन का निरीक्षण किया तथा शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर लाभार्थियों से फीडबैक लिया साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे में समस्या हल करने हेतु आदेशित किया।

कांग्रेस विधायक पर नोएडा में धोखाधड़ी का केस दर्ज

मटेरियल सप्लाई के नाम पर 50 लाख लिए, नहीं भेजा माल

छतरपुर। छतरपुर से कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी पर नोएडा में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ। आकाश शर्मा नाम के व्यक्ति ने कांग्रेस विधायक पर केस दर्ज कराया। बताया जा रहा है कि विधायक ने कम दामों में बिल्डिंग मैटेरियल देने का वादा किया था, लेकिन एडवांस पैसे लेने के बाद माल की सप्लाई नहीं की। एफआईआर में 50 लाख रुपये की ठगी का आरोप विधायक पर लगाया गया है। इस एफआईआर के बाद कांग्रेस विधायक की मुश्किलें बढ़ गई। उनके खिलाफ नोएडा के एक थाने में एफआईआर दर्ज की गई। अब पुलिस कांग्रेस के इस विधायक को ढूंढ रही है। कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी (पज्जन भाई) के खिलाफ नोएडा के आकाश इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी के आकाश शर्मा ने एफआईआर दर्ज कराई है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि विधायक आलोक चतुर्वेदी ने कम दाम में बिल्डिंग मटेरियल देने का वादा किया था। इसके एवज में आकाश शर्मा ने 50 लाख रुपए भी ले लिए।

आलोक चतुर्वेदी खजुराहो मिनरल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। आकाश शर्मा ने खजुराहो मिनरल के खाते में 50 लाख रुपए की रकम 2019 में जमा कराई थी। विधायक ने कहा था कि मार्केट से सस्ती दर पर मटीरियल उपलब्ध करा दूंगा। लेकिन, आज तक मुझे मटीरियल नहीं मिला। जब मैंने पैसे मांगे, तो जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद थाना जेवर में यह प्रकरण दर्ज कराया गया।

खजुराहो मिनरल्स, बुंदेलखंड ग्रेनाइट में साझेदार- 2018 में चुनाव से पहले दिए शपथ के मुताबिक आलोक चतुर्वेदी पार्टनरशिप फर्म खजुराहो मिनिरल्स में 25 प्रतिशत हिस्से के मालिक हैं। जबकि, लिमिटेड लाइबिलिटी फर्म खजुराहो मिनिरल्स में 15 प्रतिशत हिस्सा है।

अग्रवाल महासभा द्वारा आगामी 3 दिवसीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन 14 अप्रैल से

भोपाल। अग्रवाल महासभा द्वारा आगामी आगामी दिनों 3 दिवसीय वैवाहिक पर्चे सम्मेलन संत हिरदाराम नगर के पास फॉर्चून गार्डन एंड रिसॉर्ट में आयोजित किया जा रहा है। आज पत्रकार वार्ता में अग्रवाल महा सभा के अध्यक्ष डी.पी. गोयल ने बताया कि 21 व राष्ट्रीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन महासभा का प्रांतीय अधिवेशन एवं कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया है। प्रांतीय अधिवेशन में महासभा द्वारा समाज को संगठित करने और समाज के मध्यम और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऊपर उठाने के लिए कार्यक्रमों का निर्धारण के साथ ही प्रदेश में 2023 में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए महासभा राजनैतिक प्रस्ताव इस अधिवेशन में पास करेगी। प्रदेश में लगभग 60 सीटें ऐसी है जहां अग्रवाल बंधु बहुत चड़ी संख्या में निवास करते हैं।

आयोजक :- मप्र अग्रवाल महासभा (रजि.)

श्री गोयल के अनुसार अग्रवाल समाज सर्वाधिक लगभग 40 प्रतिशत रेवेन्यू प्रदेश सरकार को हर वर्ष देती है। हमारी मांग है कि दोनों पार्टियां विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीट अग्रवाल समाज को दे। महासभा यह वादा करती है कि पूरी शक्ति के साथ उनको विजयी बनाने का प्रयास करेगी। महामंत्री संजय मेड़तिया के अनुसार महासभा द्वारा आगामी 14-15 एवं 16 अप्रैल 2023 को फॉर्चून गार्डन एंड रिसॉर्ट में राष्ट्रीय स्तर पर परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस परिचय सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, एमबीए, एमटेक सहित अनेक उच्चस्तरीय युवक-युवतियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजी हैं।

उद्घाटन समारोह
India

भोपाल। एमएसएमई मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा ने आंचलिक विज्ञान केंद्र में इनोवेशन 2023 का शुभारंभ किया। यहां प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

सीग्राम के रॉयल स्टैग बूमबॉक्स ने इंदौर, मध्य प्रदेश में म्यूज़िशियन बादशाह, बाली, निकिता गांधी और डीजे योगी के साथ रोमांचक ऑन-ग्राउंड अनुभव पेश किया

इंदौर, एजेंसी। 'लिविंग इट लार्ज' का जश्न मनाते हुए सीग्राम का रॉयल स्टैग अपनी तरह का खास म्यूज़िकल अनुभव, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स लेकर आया है। यह युवा पीढ़ी की आवाज है। यह पीढ़ी ट्रेंड्स को फौलो नहीं करती, बल्कि ट्रेंड बनाती है, और झकझोर कर देने वाले अनुभवों की निरंतर तलाश में रहती है। इस संगीतोत्सव का तीसरा ऑनग्राउंड शो इंदौर, मध्य प्रदेश में 08 अप्रैल, 2023 को आयोजित हुआ। रॉयल स्टैग ने संगीत उद्योग की दो विपरीत शैलियों को एक साथ लाकर इस शहर को जीवंत कर दिया। यहाँ बॉलिवुड के मधुर संगीत और हिप-हॉप की जोशीली लहरों के संगम ने एक नए ओरिज़नल म्यूज़िक और एक नए साउंडस्केप का निर्माण कर दिया। लगभग 10,000 प्रशंसकों की भीड़ के बीच इंदौर शहर युवा जोश से सराबोर था। इस स्थान (वैल्वेट गार्डन) को खूबसूरत रंगों में सजाया गया था, जो संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का चित्रण कर रहे थे, और दर्शकों के लिए मर्चेंडाईज़, फूड एवं अनेक इंटरैक्टिव अनुभव पेश कर रहे थे। इस कार्यक्रम का मूड और अहसास अद्वितीय एवं युवा उत्साह से परिपूर्ण था, और इस शहर के मिजाज का प्रदर्शन कर रहा था। ऐसा अनुभव इस शहर ने पहले कभी महसूस नहीं किया था। सुर्खियों में बताए गए प्रदर्शनों के अलावा इस कार्यक्रम में कई अन्य एक्ट भी थे, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम में दर्शकों की दिलचस्पी

ROYAL STAG
ROYAL STAG
ROYAL STAG

पत्रकार राकेश सिंघई का निधन

भोपाल। श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति (स्मार्ट सिटी) टी.टी. नगर भोपाल के उपाध्यक्ष, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, समाज रत्न राकेश सिंघई पत्रकार का आज रात्रि 2 बजे देहपरिवर्तन हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा आज मंगलवार को प्रातः 11=30 बजे निज निवास सीनियर स्कूल 12, हर्षवर्धन नगर भोपाल से भदभदा विश्राम घाट को निकली गई, जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक, पत्रकार बंधु शामिल हुए।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मनाएगा ज्योतिबा फुले जयंती

छिंदवाड़ा विधानसभा का दोप. 12 बजे माली समाज भवन नोनिया करबल में होगा जयंती कार्यक्रम

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक ने बताया कि भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा सभी 33 मंडलों में आज दिनांक 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले जयंती बनाई जाएगी । व्यवस्था की दृष्टि से जुन्नारदेव, परासिया और अमरवाड़ा विधानसभा के प्रभारी यशवंत पवार रहेंगे तथा पांढुर्णा, सौसर और चौरई विधानसभा के प्रभारी आनन्द ठाकरे रहेंगे । छिंदवाड़ा विधानसभा के प्रभारी जगेन्द्र अल्डक रहेंगे ।छिंदवाड़ा विधानसभा के चारों मंडलों का कार्यक्रम सब्जी मंडी के पीछे माली समाज भवन नोनिया करबल रोड छिंदवाड़ा में ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को दोपहर 12 बजे भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में होगा ।

द्वार-द्वार दस्तक देकर भरें जा रहें लाड़ली बहना योजना के आवेदन फार्म

बिछुआ । मध्यप्रदेश शासन की महत्वकांक्षी योजना लाड़ली बहना के फार्म भरने के लिए नगर परिषद बिछुआ के वार्ड नंबर 9 में शिविर लगाया गया। शिविर में वार्ड की पात्रताधारी महिलाओं के आवेदन ऑनलाइन भरें गए। मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप के जन सेवा मित्र उमेश साहू ने बताया की योजना के क्रियान्वयन हेतु नगर के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाकर पात्रताधारी महिलाओं के आवेदन भरें जा रहें हैं। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष रामचंद्र बोबड़े, उपाध्यक्ष मंगलेश दुबे, जनसेवा मित्र उमेश साहू, वार्ड पार्षद श्रीमती कीर्ति करमेले, श्रीमती झीटोबाई धुर्वे, दीपक चोपड़े, अनिल कर्मी, निकाय कर्मचारी उत्तम नर्रे, सौहार्द मात्रे, प्रीतम सिंह चौरिया, रोहित कनौजिया, विशाल सोनी, दिनेश बोबड़े, दिलीप पवार, फिरोज आदि उपस्थित थे। शिविर के अलावा द्वार-द्वार दस्तक देकर महिलाओं के आवेदन भरें गए, साथ ही समग्र आईडी से ईकेवायसी की गई।

लोनीबर्रा में सात दिवसीय गोंडी कोया पुनेम दर्शन प्रवचन

छिंदवाड़ा । ग्राम लोनीबर्रा मे माँ काली कंकाली दाई, जंगो दाई, परमशक्ति फड़ापेन बुड़ी दाई की कृपा से ग्राम के सार्वजानिक फड़ापेन बड़ादेव ठाना मे कोया पुनेम दर्शन का आयोजन किया जा रहा हैँ जो 9 जुलाई से 16 जुलाई तक चलेगा! पुनेम के प्रथम दिन विशाल कलश यात्रा के साथ पुनेम का शुभारम्भ किया गया और पुनेम के द्वितीय दिवस आज पेनवासी स्वर्गीय तिरुमाल नंदराम बाबा की मूर्ति की स्थापना कर गोंडी देवी देवता की पूजा अर्चना कर सिवनी जिला के गोंडी कोया पुनेम आचार्य भूमका जगदेवशाह कुमरे के द्वारा गोंडी कथा का वाचन किया गया! कथा का ग्राम और आस पास के ग्राम के धर्मप्रेमी लोगो ने अधिक से अधिक सख्या मे धर्म लाभ लिया!कथा वाचक कोया पुनेम आचार्य तिरुमाल जगदेवशाह कुमरे के द्वारा प्रतिदिन प्रवचन दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक और रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक प्रवचन दिया जा रहा हैँ!कोयापुनेम में भूमका विनोद उईके,बालकराम उईके,राजाराम उईके, राधेश्याम उईके,दीपक उईके,अजीत उईके,करण उईके, नितेश चिचाम, सुरेन्द्र मर्सकोले और ग्रामवासियो का मुख्य रूप से योगदान रहा!आयोजक उईके परिवार एवं मंदिर सदस्यों ने अधिक से अधिक संख्या में धर्म प्रेमीजनों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया!

प्रदेश के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव 12 को आयेंगे

छिन्दवाड़ा । प्रदेश के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव 12 अप्रैल को प्रातः 10 बजे बालाघाट से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे छिंदवाड़ा आयेंगे । आप छिंदवाड़ा में स्थानीय कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं व जनसामान्य से भेंट और निर्माण कार्यों के निरीक्षण के बाद शाम 4 बजे छिंदवाड़ा से गढ़ाकोटा सागर के लिये प्रस्थान करेंगे ।

छात्राओं एवं महिलाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण रखने हुये व्याखान माला

छिंदवाड़ा ।राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा. प्राचार्य डॉ. अजरा एजाज के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पम्मी चावला ने छात्राओं को मानसिक कृप्रवृत्तियों को समाप्त करने के उपाय बताते हुये छात्राओं को विस्तार से समझाया। माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा क. सी0537 महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने का अभियान विषय पर श्रीमती रजिना खान ने विस्तार से छात्राओं को सकारात्मक सोच के साथ अपने व्यवहार को व्यक्त करना, समझाते हुये जागरूक किया। घोषणा क. सी0538 महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों की पृष्ठभूमि में मानसिक कुप्रवृत्तियों को समाप्त करना विषय पर सुश्री पूनम उसरेठे ने छात्राओं को विभिन्न मानसिक प्रवृत्तियों को समझाते हुये स्वयं को सुरक्षित रखने हेतु प्रेरित किया ।

पंचत्व में विलीन हुये उमेश सक्सेना

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौरई क्षेत्र के ग्राम रामगढ़ निवासी राजेश सक्सेना के भाई अमन,उज्ज्वल,आसुषी के पिताजी श्री उमेश सक्सेना जी पप्पू भैया का दु:खद निधन हो गया उनकी अंत्येष्टि ग्रह ग्राम रामगढ़ में सम्पन्न हुई जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगो ने भाग लिया। और श्रद्धांजलि दी।

लूट की वारदात का मास्टर माइन्ड निकला कैशियर

पुलिस ने 5 घंटे में किया पर्दाफाश

परिवार के लोगों की बीमारी से परेशान था कैशियर

छिंदवाड़ा/सौंसर । सौंसर में इंडेन गैस एजेन्सी में सुबह हुई 7 लाख 61 हजार रूपये की लूट का पुलिस द्वारा जल्दी ही पर्दाफाश कर दिया। पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उईके ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये बताया कि लूट की घटना को अंजाम इंडेन गैस एजेन्सी के कैशियर ने ही बनाई थी, वहीं उसका मास्टर मांइड था, पुलिस ने 5 घन्टे में ही घटना का खुलासा किया। बताया जाता है कि सौंसर बाजार चौक में अज्ञात लूटेरो ने सुबह करीब साढे आठ बजे इन्डेन गैस एजेन्सी के दफ्तर में घुसकर कैशियर को बंधक बनाया और 7 लाख 61 हजार रूपए नगद लूट कर बाईक से फरार हो गये, पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर सभी मार्गो को नाकेबंदी कर दी गई इंडेन गैस एजेन्सी गुप्ता वकील की है, एजेन्सी का कैशियर अश्विन वाल्मिकी है दो लुटेरे आये और सिर पर चोट मारी और हाथ पैर बांधकर रकम लूटकर ले गये है । बताया जाता है कि कैशियर परिवार के लोगों की बीमारी से परेशान था और उसे रूपये की जरूरत थी, इसीलिए उसेन घटना को अंजाम दिया।

14 अप्रैल को रिलीज होगीछिंदवाड़ा में फिल्माई गई बाईसिकल डेज,

अलका बिग सिनेमा में लगेगी फिल्म

छिंदवाड़ा । लकड़ाई जम्होड़ी, चिमौआ वॉटर फॉल सहित छिंदवाड़ा में बनी 90 मिनट की फ़िल्म बाइसिकल डेज 14 अप्रैल को 25 सिनेमा घरों में रिलीज होगी। छिंदवाड़ा में यह फ़िल्म अलका बिग सिनेमा में लगेगी। खास बात यह है कि इस फ़िल्म के सारे कलाकार और इसे बनाने वाली प्रोड्यूसर छिंदवाड़ा के हैं। यह बात आज दिव्यानी अंनत ने पत्रकारों के साथ साझा की। देवयानी अनंत द्वारा निर्देशित और लिखित यह फिल्म बच्चों की मनस्तिथि को दर्शाती है। यह फिल्म जीवन में दोस्ती और एक छात्र के जीवन में शिक्षक की भूमिका की महत्वता समझती है। यह फिल्म विपरीत परिस्तिथियों में धैर्य रखना सिखाती है। केयूर भगत द्वारा रचित संगीत, कहानी में एक भावपूर्ण स्पर्श जोड़ते हैं, जबकि साहेब श्रेय द्वारा लिखे गए गीत पात्रों की भावनाओं और गहराई को व्यक्त करते हैं। बाइसिकल डेज़ के कलाकारों का नेतृत्व दर्शित खानवे कर रहे हैं, जो आशीष की भूमिका निभा रहे हैं, और सोहम शाह, एक शिक्षक, शेखर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में ऋषभ साहू, पर्व अग्रवाल, मुदित गुन्हेरे, कार्तिक नेमा, मितुल गुप्ते, निधि दीवान और उमेश शुक्ला ने

इरफान बनें मीटरवाचक संघ कार्यवाहक जिलाध्यक्ष

छिन्दवाड़ा। विद्युत मीटर वाचक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक दीनदयाल पार्क में आयोजित की गई, जिसमें मीटरवाचक संघों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई साथ ही अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आगामी दिनों में उठाये जाने वाले महत्वपूर्ण कदमों को लेकर विचार विमर्श किया गया ।

पुष्पेन्द्र निगम होंगे एसडीएम जुन्नारदेव

छिन्दवाड़ा । राज्य शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिला कार्यालय में उपस्थिति देने पर प्रभारी डिप्टी कलेक्टर पुष्पेन्द्र निगम की राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी जुन्नारदेव के पद पर आगामी आदेश तक के लिये पदस्थापना की गई है। प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री निगम द्वारा राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी जुन्नारदेव का प्रभार ग्रहण किये जाने पर संयुक्त कलेक्टर एवं राजस्व अनुविभागीय अधिकारी छिंदवाड़ा अतुल सिंह राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी जुन्नारदेव के अतिरिक्त प्रभार से स्वमेव मुक्त हो जायेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है ।

जिले में 3 नायब तहसीलदारों की प्रभारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार की पदों पर पदस्थापना

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिला कार्यालय में उपस्थिति देने पर जिले में 3 नायब तहसीलदारों की प्रभारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार के रिक्त पदों पर आगामी आदेश तक के लिये पदस्थापना की गई है । यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है ।कलेक्टर श्रीमती पटले द्वारा प्रभारी तहसीलदार सच्चिदानंद त्रिपाठी की प्रभारी तहसीलदार तहसील छिंदवाड़ा ग्रामीण, नायब तहसीलदार तहसील छिंदवाड़ा श्रीमती खुशबू मालवीय की प्रभारी तहसीलदार तहसील छिंदवाड़ा शहर और नायब तहसीलदार तहसील छिंदवाड़ा श्रीमती दृष्टि चौबे की नायब तहसीलदार तहसील छिंदवाड़ा शहर के रिक्त पद पर पदस्थापना की गई है ।

नागरिकों की सुरक्षा में तैनात पायलटों को तो समय पर वेतन दे सरकार: कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री ने डायल 100 के आउटसोर्स पायलटों के हित में मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

छिंदवाडा । नागरिकों की सुरक्षा एवं पुलिस व्यवस्था में तैनात डायल-100 के आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ भी शिवराज की सरकार लगातार अन्याय कर रही है, उन्हें समय पर वेतन भी सरकार नहीं दे रही है, वर्तमान में उन्हें 4-5 महीने से वेतन नहीं मिला है, पिछले दिनों डायल-100 के आउटसोर्स पायलटों का प्रतिनिधि मंडल माननीय कमलनाथजी से मिला और उन्हें अपनी पीडा सुनाई तथा मांगों का लिखित आवेदन दिया।

पायलटों की मांगों को पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथजी ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पहुंचाते हुए कहा कि कम से कम नागरिकों की सुरक्षा एवं पुलिस व्यवस्था में तैनात डायल-100 के पायलटों को तो समय पर वेतन दिलाने का इंतजाम करें। मप्र आउटसोर्स, अस्थाई एवं संविदा कर्मचारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने डायल-100 के पायलटों के हित में पत्र लिखने के लिए माननीय कमलनाथजी का आभार जताते हुए कहा कि माननीय कमलनाथजी हर विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों की आवाज सरकार तक पहुंचा रहे हैं, अब तक माननीय कमलनाथजी आउटसोर्स कर्मियों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सरकार को दर्जनों पत्र सरकार को लिख चुके हैं, लेकिन वह आउटसोर्स कर्मियों की पीडा सुनने को तैयार नहीं है, डायल 100 के पायलटों की तरह ही आउटसोर्स कंप्यूटर आपरेटरों को भी 8-9 महीने से वेतन नहीं मिला है। शर्मा ने कहा कि यह पायलट निजी कंपनी के कर्मचारी हैं, शिवराज सिंह ने डायल-100 भी ठेके पर दे रखी है, जिसमें तैनात आउटसोर्स कर्मियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है।

ग्रामीण आकस्मिक आगजनी रोकें

वन विभाग ने चलाया अग्नि सुरक्षा व जागरूकता अभियान

अमरवाड़ा । वन परिक्षेत्र अंतर्गत आग से वनों की सुरक्षा को लेकर ग्राम वन समिति अंतर्गत अग्नि सुरक्षा संबंधि जानकारी एवं जागरूकता अभियान महुआ आदि एकत्रित करने में सावधानी बरतने के बारे में ग्रामीण जनों को जानकारी प्रदान की गई ताकि गर्मी के दिनों में आकस्मिक आगजनी से वनो को बचाया जा सके । जंगल में रह रहे वन्य जीव जंतुओं को सुरक्षा प्रदान की जा सके। वहीं ग्राम वन समिति के सदस्यों को व ग्रामीणों को इस बात की भी जानकारी दी गई कि गर्मी के दिनों में जंगलों में ऊंचाई की ओर चढ़कर यह देखा जा सकता है कि यदि कहीं आग का धुआं हल्का सा भी उठता दिखाई देता है,तो हम समय रहते बड़ी आगजनी की घटना को रोक सकते हैं। यह सब तभी हो सकता है जब हम सतर्क व जागरूक रहें । क्योंकि वनों से ही हम है ,उनकी सुरक्षा का दायित्व हमारा तो है ही पर प्रत्येक व्यक्ति का भी है। जागरूकता अभियान में ग्रामीण जन सहित ग्राम वन समिति के अध्यक्ष सचिव, वीट प्रभारी मौजूद रहे। जिसमें अमरवाड़ा वन परिक्षेत्र के ग्राम पौनार,गौरपानी, सिंगोड़ी , जुंगावानी वीटो मे सघनता के साथ अग्नि सुरक्षा व जागरूकता अभियान चलाया गया ।

भाजपा सिंचाई काम्पलेक्स के 500 करोड़ की जांच क्यों नहीं करवाती, किसने रोका: दीपक सक्सेना

पं. दुबे के बयान पर कांग्रेस ने किया पलटवार

छिन्दवाड़ा । केवल विरोध के लिये विरोध की राजनीति करके स्वयं को जिन्दा रखने वाले भाजपा नेता वर्तमान में कांग्रेस के बढ़ते जनाधार से इतने विचलित हो गये हैं कि उन्हें हर कदम पर अपनी पराजय दिखाई दे रही है, देश के गृहमंत्री छिन्दवाड़ा आकार छिन्दवाड़ा से नागपुर और मंडला रेल लाइन को मुंह ही मुंह में डबल बना दिया, केन्द्रीयमंत्री गिरिराज ने महिला अधिकारी का अपमान किया और खापीकर निकल गये। भाजपा के छिन्दवाड़ा जिले के प्रभारीमंत्री कमल पटेल व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा को वापिस उनकी जगह दिखा दी गई है। जनता से झूठ बोलने, सच छिपाने और गुमराह करने की यह आखों की गंभीर बीमारी का असर अब पूर्व विधायक रमेश दुबे जी को भी लग गई है। उन्हें भी अब कांग्रेस का विकास नहीं दिख रहा है।

एक पत्र विज्ञप्ति के माध्यम से कमलनाथ पर पंद्रह माह की सरकार में कुछ भी ना किये जाने का आरोप लगाने वाले पूर्व विधायक रमेश दुबे पर पलटवार करते हुये पूर्वमंत्री दीपक सक्सेना ने कहा कि नजरें और याददास्त कमजोर होना इंसान के बीमार होने की निशानी है। दुबे जी को याद नहीं कि जब-जब भी जिले में खाद बीज का संकट पैदा हुआ ह कमलनाथ ने तब-तब रेलवे रैक भर-भरकर यूरिया की आपूर्ति कराई है। यहां तक कि छिन्दवाड़ा को मिली खाद से सिवनी व बालाघाट के किसान के खेतों में हरियाली आई। श्री दुबे के चुनाव क्षेत्र में बना माचागोरा बांध इन्हें दिखाई नहीं देता, छिन्दवाड़ा मुख्यालय में बनने वाले 9 ब्लाकों का मेडिकल कॉलेज जो शिवराज आधा कर दिया, वह आधा तो दिखाई देना चाहिये। गौरतलब यह है कि सम्पूर्ण जिले में एक लाख 28 हजार 631 किसानों का कर्जा माफ होना था और 57 हजार 541 किसानों का कर्जा माफ भी हुआ, यह बड़ा-बड़ा भी इन्हें दिखाई नहीं दे रहा है- कांग्रेस इन्हें कौन सा चश्मा पहनाये।

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि भाजपा के हर बड़े, मंझले और छोटा तथा छुटभैय्ये नेता बार-बार यह आरोप लगा रहे हैं कि सिंचाई परियोजना में 500 करोड़ का घोटाला हुआ तो इस घोटाले की जांच करवाने से इन्हें किसने रोका है, जबकि केन्द्र व राज्य में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है यह दोनों इंजन पूरी गति से जांच करवाये। पूरा प्रदेश व देश जानता है कि सच बोलने पर भाजपा जेल में डलवा रही है फिर इन्हें इस घोटाले की जांच करवाने की हिम्मत क्यूं नहीं हो रही है।

जिला चिकित्सालय में आयुष विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन हुआ

छिंदवाड़ा । आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा 268 वे हेनिमेन जयंती के अवसर पर %%होम्यो परिवार सर्वजन स्वास्थ्य वन हेल्थ वन फैमिली थीम पर शासकीय होम्योपैथी औषधालय छिंदवाड़ा द्वारा जिला अस्पताल गेट 2 में निशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति डा कृष्णा हरजानी जिला सयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ, भाजपा, डॉ.संजय राय, आर एम ओ जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा, प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ प्रमिला यावतकर, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण रघुवंशी एवं चिकित्सक में डॉ.नितिन टेकरे, डॉ. कविता मसराम, डा.सोनालिका सिंह डा अनिता शिववंशी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया । शिविर में कुल 884 रोगी लाभान्वित हुए जिसमे 436 महिला, 309 पुरुष एवं 139 बच्चो का परिक्षण कर निशुल्क ओषधि प्रदान किया गया।

कमलनाथ को जिले में चुनौति देना है, तो भाजपा को अपनी लाईन लम्बी करनी होगी ?

केन्द्र एवं राज्य सरकार की लानी होगी योजनायें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रभाव का भाजपा को मिलेगा फायदा

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में भाजपा कमलनाथ को चुनौति देना चाहती है तो उसे अपनी लाईन लम्बी कर जिले को कई सौगाते देनी होगी। वर्तमान में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जिस तरह की भाषा का उपयोग कमलनाथ के प्रति कर रहे है उससे भाजपा को ही नुकसान होगा।

पिछले 43 वर्षो से कमलनाथ छिंदवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व कर रहें है एवं चौथी पीढ़ी भी उन्हें जानती है, कमलनाथ विकास का विजन अलग है, कांग्रेस व कमलनाथ के कारण छिंदवाड़ा जिले का नाम पूरी दुनिया में रहा है, जब वे केन्द्रीय मंत्री रहे एवं विदेशों का दौरा किया तो उन्होने अपने संसदीय क्षेत्र का नाम सर्वोच्चता से लिया जिले की जनता जानती है कि उन्होने जिले का कितना विकास किया है। कमलनाथ का एक वर्ग ऐसा है जो उनका व्यक्तित्व समर्थक है, जिसकी उन्होने मद्द की है ईलाज करवाया है, बच्चों की फीसे दी है, निजी बैंकों में नौकरी लगवाई है। कमलनाथ की एक आदत है कि जब कोई उनसे मिलने जाता है, उससे वे सकारात्मक बाते करते है, काम भले हो या न हो, जब वे मुख्यमंत्री बने तो छिंदवाड़ा के लिए उन्होने ढेर सारी योजनायें लाई, जैसे मेडिकल कालेजे का मल्टी स्पेशलिटी यदि यह मल्टी सपेशलिटी बन जाता तो लोगों को नागपुर जाने की जरूरत नहीं पड़ती, किन्तु भाजपा ने उसके बजट में कमी कर दी।

इसी तरह छिंदवाड़ा युनिवर्सिटी में फण्ड होने के बाद भी कोई काम नहीं हुआ, मेडिकल कालेज एवं युनिवर्सिटी में ऐसा अधिकारियों की नियुक्ति कर दी जिन्हें विकास से संबंधी कोई रूचि नहीं थी। इसके अलावा एग्रीकल्चर कालेज एवं अन्य कार्य है जो रूक गये।

भाजपा को कमलनाथ को चुनौति देना है तो उनके सभी प्रोजेक्टों में तेजी लानी होगी। इसके अलावा केन्द्री य गृहमंत्री अमित शाह आये वे भाषण और कमलनाथ की कमियां गिनाने के बजाय कोई सौगात देकर जाते तो उसका फायदा मिलता, इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व एल मुरूगन भी आये वे केन्द्र से संबंधित योजनाओं को छिंदवाड़ा लाकर फण्ड देते तो इसका फर्क पड़ता।

भाजपा का यह सोचना है कि वे मंत्रियों को बुलाकर जनता में अपनी बात पहुंचाना चाहते है एवं संगठन को मजबूत करे, नरेन्द्र मोदी की योजनायें का प्रचार करें, नरेन्द्र मोदी के कारण जनता में उनका प्रभाव तो बढ़ा है, हर घर मोदी घर-घर मोदी के नारे लगने लगे है, राष्ट्रवाद एवं विकास की योजनाओं के कारण मोदी का प्रभाव हर घर में है।

जहां तक भाजपा संगठन की बाते करे तो संगठन की क्या स्थिति है यह भाजपा कार्यकर्ताओं को पता है, भाजपा ने संगठन के सुधार नहीं किया तो कितने भी नेता आ जाये कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। कमलनाथ चुनाव रणनीति के तहत लड़ते है हर चुनाव में वे नई रणनीति अपनाते है, भाजपा के अधिकांश नेताओं से उनके संबंध है, जो चुनाव के समय उनकी मद्द भी करते है, ऐसा भाजपा के नेताओं का ही कहना है। कमलनाथ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष है एवं मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट होकर चुनाव लड़ेंगे, जनता चाहती है कि उनके जिले का व्यक्ति मुख्यमंत्री बने और उसका फायदा उन्हें मिलेगा।

भाजपा को चुनौति देना है तो कमलनाथ को भलाबुरा कहना बन्द करना पड़ेगा, अभी विधानसभा चुनाव को 6 माह और लोकसभा चुनाव में एक वर्ष है। राज्य एवं केन्द्र की सरकार की ढेर सारी योजनाओं को छिंदवाड़ा लाना होगा। हाल ही में छिंदवाड़ा-नागपुर- नैनपुर बड़ी रेल लाईन का निर्माण हो चुका है, इससे विद्युतिकरण भी हो चुका है। छिंदवाड़ा कई रेले यहां से प्रारम्भ की जा सकती है, रेल मंत्रालय नई रेलों की घोषणा करे तो इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। इसके अलावा ढेर सारी योजनायें है जिसे छिंदवाड़ा लाकर भाजपा अपनी लाईन बड़ी कर सकती है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण भाजपा के समर्थकों को संख्या बढ़ी है वहीं पर राहुल गांधी के कारण कांग्रेस को प्रतिदिन नुकसान हो रहा है। भाजपा का सोशल मीडिया बहुत सक्रिय है। जिसका फायदा भी भाजपा को मिल रहा है।

धर्म नगरी ग्राम गुरैया से पंडरपुर एवं अन्य धार्मिक स्थलों के लिए यात्री रवाना

छिंदवाड़ा। धर्म नगरी ग्राम गुरैया से रामनाथ बलिराम ओक्टे के संयोग से ग्राम गुरैया से 200 लोगों का जत्था पंडरपुर, शिर्डी, शेगांव, नाशिक एवं अन्य धार्मिक स्थानों के लिए 10 अप्रैल सुबह 10 बजे ओक्टे निवास गुरैया से तिलक लगाकर रवाना किया। समस्त ग्राम वासियों यात्रा में पुरूष, महिला एवं बच्चे शामिल है। ग्राम गुरैया के साथ अन्य ग्राम के धर्म प्रेमी बंधुओं भी शामिल है। इनका उद्देश्य समाज के उत्थान एवं समाज को धर्म के प्रति सजग करना तथा समस्त प्रदेश के लिए मंगल कामना हेतु इस दल में संतोष राजाराम कराड़े गुरैया, भद्दा सातपुते लोनिया, नामदेव कराड़े गुरैया, यशवंतराव ओक्टे गुरैया, गोपालराव कराड़े गुरैया।

वेट लिफ्टिंग प्रशिक्षण शिविर

छिंदवाड़ा । जिला वेट लिफ्टिंग संघ छिंदवाडा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ अतिथि रामराव नागले खेल अधिकारी जिला युवा कल्याण विभाग एवं जिला वेट लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस ने वर्ल्ड वाइड जिम में किया साथ में विशेष अतिथि अविनाश सिंह व वेट लिफ्टिंग संघ के उपाध्यक्ष विक्रांत अहिरवार भी उपस्थित थे 7 जिला वेट लिफ्टिंग संघ के सचिव रविकॉत अहिरवार ने बताया कि यह 7 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर नि:शुलक रहेगा जिसमे जिला के वेट लिफ्टिंग से संबधित खिलाड़ीयो को तकनीकी गुण के साथ साथ खेल के नियमों एवं अपने खेल को कैसे विकसित करेंगे जिससे प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर सके 7 यह शिविर तीन स्थानो पर लगाये गये हैं। पहला वर्ल्ड वाइड जिम , वर्मा काम्प्लेक्स दूसरा वर्ल्ड वाडट टाऊन फिटनेस सेंटर, चंदनगॉव तीसरा ऑल्टीमेट पावर , सागर पेशा इस शिविर में प्रशिक्षक विक्रांत अहिरवार, राजकुमार उईके, गणेश विश्वकर्मा, पूजा तिवारी, सह-प्रशिक्षक यासीन शाह एवं सुमन टांडेकर होगे 7 शिविर के शुभारंभ पर अतिथिगण व संघ के पदाधिकारी,प्रशिक्षक, प्रशिक्षण प्राप्त करने आये खिलाड़ीयो ने अपनी उपस्थिति दी।

G20
भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

मध्यप्रदेश शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

3 साल विकास के

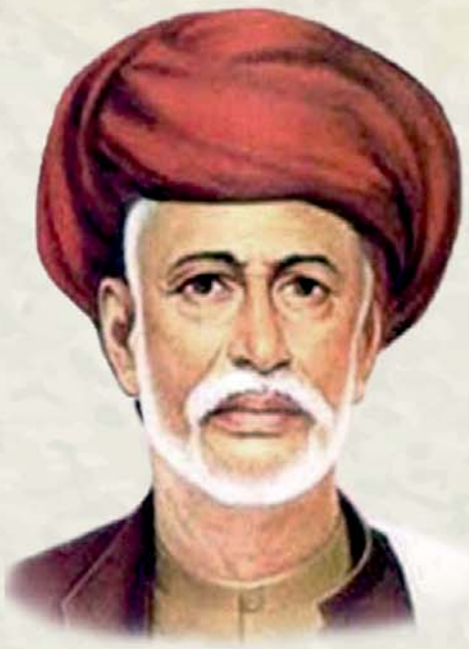

महान समाज सुधारक
एवं सामाजिक समता के अग्रदूत
महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर
शत्-शत् नमन्....

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

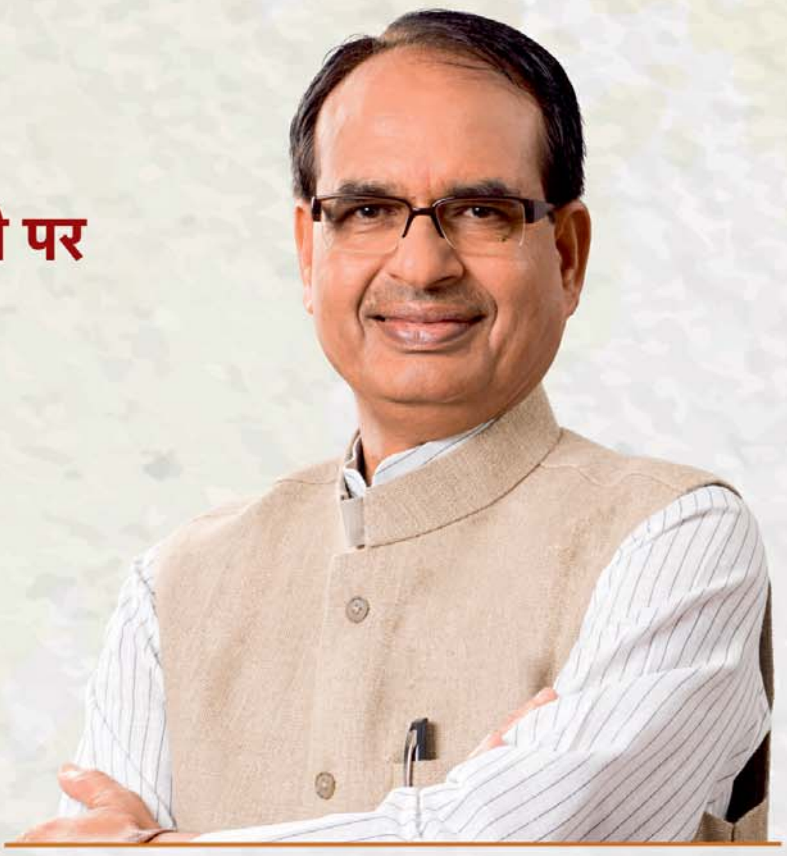

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

महिलाओं का योगदान बढ़ा रहा प्रदेश का मान

स्व-सहायता समूहों के संकुल संगठनों की बहनों के साथ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

द्वारा

संवाद

4 लाख 33 हजार
स्व-सहायता समूहों से जुड़कर
51 लाख 63 हजार
महिलाएं हुईं आत्मनिर्भर

11 अप्रैल 2023
अपराह्न 1:00 बजे
मुख्यमंत्री निवास
भोपाल

39 हजार 258
ग्राम संगठन एवं 1350
संकुल संगठन दे रहे
ग्रामीण विकास में योगदान

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11008/23

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023